राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार , 07 दिसंबर 2025

वर्ष 14,अंक 234, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से प्राइवेट विद्युत कर्मी की मौत, परिवार में मातम..03

सवारियों की जेब ढीली कर रहे ऑटो चालक..04

इंडिगो संकटः सरकार द्वारा नियमों में छूट देने पर पायलट संघ नाराज़, कहा- सुरक्षा से सीधा समझौता है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो द्वारा शुक्रवार (5 दिसंबर) को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द करने और विमान सेवा में घंटों की देरी के बाद सरकार ने पायलटों के नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियम (एफडीटीएल) को 'तत्काल प्रभाव से फिलहाल के लिए' स्थगित कर दिया है. सरकार की ओर से केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि यह फैसला केवल यात्रियों के हित में लिया गया है, खासकर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों और जरूरी यात्रा करने वालों को राहत देने के लिए. नायडू ने कहा, 'एक नवंबर से डीजीसीए ने नए एफडीएल नियम लागू किए. मंत्रालय ने एयरलाइनों के साथ कम से कम छह महीने तक निरंतर संवाद भी किया. पहले इस नियम के बारे में कोई समस्या नहीं थी. एअर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी अन्य एयरलाइन ने अपने संचालन को ढाल लिया. लेकिन जो हुआ वह इंडिगो की चालक दल (क्रू) के प्रबंधन की गड़बड़ी के कारण हुआ. हमने सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए इंडिगो को एफडीटीएल नियमों में कुछ छूट दी है.' हालांकि, सरकार के इस फैसले के खिलाफ पायलट संघ ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है. एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए) ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को एक पत्र लिखते हुए कहा कि यह फैसला सुरक्षा से समझौता है. पायलटों की थकान से यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती है. एसोसिएशन के अनुसार, इंडिगो ने जानबूझकर यह संकट खड़ा किया, जिससे उसे नियमों में ढील मिल सके. इसलिए इंडिगो के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और एफडीटीएल के दूसरे चरण के नियमों को पूरी तरह लागू किए जाएं बिना किसी भी एयरलाइन को इसमें छूट दिए।'

ये फैसला खतरनाक मिसाल कायम करेगा: पायलट संघ

एसोसिएशन ने इंडिगो प्रबंधन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि रात्रिकालीन ड्यूटी से संबंधित मानदंडों में ढील से इंडिगो को अपने परिचालन को स्थिर करने में मदद मिलेगी, लेकिन यह छूट एक ख़तरनाक मिसाल कायम करेगी. एएलपीए के अध्यक्ष कैप्टन सैम थॉमस द्वारा लिखे पत्र में कहा गया, 'बार-बार किए गए अनुरोधों, औपचारिक पत्रों और आपके सम्मानित कार्यालय के साथ सीधी बातचीत के बावजूद आपके द्वारा लिए गए इस फैसले ने एफडीटीएल की मूल भावना को कमज़ोर किया है और उड़ान भरने वाले लोगों की सुरक्षा को गंभीर रूप से ख़तरे में डाला है.' थॉमस के अनुसार, डीजीसीए ने 25 नवंबर की बैठक में इस बात पर सहमति जताई थी कि किसी भी ऑपरेटर को, खासकर व्यावसायिक हितों से प्रेरित, कोई छूट या बदलाव नहीं दिया जाएगा. सभी ऑपरेटरों के पास नए एफडीटीएल को लागू करने के लिए लगभग दो साल का समय था, और वह भी दो चरणों में. इस पर्याप्त समय के बावजूद इंडिगो अपना रोस्टर तैयार करने में विफल रही और इसके बजाय एयरलाइन ने 2025 की सर्दियों के लिए अपने परिचालन को बढ़ा दिया, जिसे आपके कार्यालय ने मंजूरी दे दी थी. थॉमस ने आगे लिखा, 'यह भी उतना ही संदिग्ध है कि 1 नवंबर को दूसरे चरण के अमल के 35 दिन बाद इतने बड़े पैमाने पर व्यवधान कैसे सामने आए. ये घटनाएं गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं कि 'सार्वजनिक असुविधा' के बहाने व्यावसायिक लाभ के लिए सरकार पर दबाव डालने के लिए एक कृत्रिम संकट पैदा किया गया था.' उन्होंने आगे कहा कि इंडिगो को चुनिंदा छूट देकर, डीजीसीए ने अन्य सभी ऑपरेटरों के लिए अपने परिचालन, वाणिज्यिक या समय-सारिणी संबंधी कारणों का हवाला देकर एफडीटीएल नागरिक उड्डयन आवश्यकता से समान छूट की मांग करने का रास्ता खोल दिया है. यह नागरिक उड्डयन आवश्यकता के मूल सिद्धांत और उद्देश्य को ही कमजोर करता है।

एयरलाइन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग

एसोसिएशन ने मांग की है कि डीजीसीए इंडिगो को दी गई सभी छूट तुरंत वापस ले और एयरलाइन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई शुरू करे. संघ के अनुसार, 'इंडिगो ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उन्होंने अपनी परिचालन क्षमता का गलत आकलन किया था; फिर भी, जनता को भारी असुविधा पहुंचाने के लिए उन्हें फटकार लगाने या दंडित करने के बजाय, डीजीसीए ने उन्हें और छूट दे दी. इस कार्रवाई ने न केवल परिचालन कुप्रबंधन को बढ़ावा दिया है, बल्कि यात्रियों की जान को भी सीधे खतरे में डाल दिया है.' इस बीच डीजीसीए ने इंडिगो के संकट की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति बनाई है, जिसकी अध्यक्षता एक संयुक्त डॉयरेक्टर जनरल पद के अधिकारी करेंगे. यह समिति संकट के कारणों की जांच करेगी, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करेगी और इंडिगो द्वारा उठाए गए सुधारात्मक कदमों की समीक्षा करेगी. इसके अलावा डीजीसीए ने इंडिगो को राहत देने के लिए अपने A320 टाइप-रेटेड फ्लाइट ऑपरेशन्स इंस्पेक्टर (FOIs) को भी उड़ान संचालन में लगाने की पेशकश की है।

इंडिगो ने फिर मांगी माफ़ी

इस संबंध में इंडिगो ने भी शुक्रवार देर रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक बार फिर माफ़ी मांगते हुए एक बयान जारी किया. एयरलाइन ने भरोसा दिलाया कि रद्द हुई उड़ानों के बाद सभी यात्रियों को जल्द ही रिफंड कर दिया जाएगा. एक नए संदेश में इंडिगो ने कहा, 'हम माफ़ी चाहते हैं और समझते हैं कि पिछले कुछ दिन आप में से कई लोगों के लिए बेहद मुश्किल रहे हैं. यह समस्या रातों-रात हल नहीं होगी, लेकिन हम भरोसा दिलाते हैं कि इस दौरान आपकी मदद के लिए हम अपनी पूरी क्षमता से काम करेंगे और अपनी सेवाओं को जल्द से जल्द सामान्य करने की कोशिश करेंगे.' साथ ही इंडिगो का कहना है कि वह 5 से 15 दिसंबर 2025 के बीच की यात्रा पर कैंसिलेशन और री-शेड्यूलिंग शुल्क पूरी तरह माफ़ करेगा. कंपनी ने यात्रियों से कहा है कि वे ऑनलाइन फ्लाइट स्टेटस चेक करें और अगर उनकी उड़ान रद्द है तो एयरपोर्ट न जाएं. शनिवार (6 दिसंबर) को सरकार ने भी इंडिगो को निर्देश दिया है कि वह बिना देर किए सभी लंबित रिफंड क्लियर करे. और यह रिफंड प्रक्रिया रविवार 7 दिसंबर की रात 8 बजे तक पूरी हो जानी चाहिए।

गौरतलब है कि इंडिगो को लेकर शुक्रवार को लगातार चौथे दिन देशभर के हवाई अड्डों पर अव्यवस्था देखने को मिली थी. इस दौरान इंडिगो एयरलाइंस की 500 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई थीं, तो वहीं कई घंटों देरी से चलीं, जिसके चलते हज़ारों यात्री एयरपोर्ट पर घंटों से फंसे रहें. इस संबंध में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इंडिगो संकट को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा था और आरोप लगाया था कि इंडिगो की विफलता इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है. शुक्रवार को ट्वविटर पर तमाम यात्रियों ने इंडिगो की सेवाओं को लेकर अपनी समस्याएं जाहिर की. लोगों ने उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए को टैग करते हुए कई सवाल पूछे और इस कुप्रबंधन के लिए सरकार की जवाबदेही की बात भी कही।

पश्चिम बंगालः हुमायूं कबीर ने रख दी बाबरी मस्जिद की नींव, TMC से सस्पेंड होकर भी बढ़ा दी ममता की टेंशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिम बंगाल की राजनीति अगले साल के विधानसभा चुनाव से पहले गरमाती जा रही है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी ही उनको दर्द दे रहे हैं. तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से निष्कासित मुर्शिदाबाद के एमएलए हुमायूं कबीर ने शनिवार को बाबरी मस्जिद का नींव रख करके बवाल खड़ा कर दिया. अपने ऐलान के मुताबिक हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की नींव रखा. आगामी चुनाव को देखते हुए एक तरफ टीएमसी उनको पार्टी से निष्कासित कर खुद को किनारे कर लिया है, तो दूसरी ओर विपक्षी पार्टियां- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस ने ममता बनर्जी को घेरना शुरू कर दिया है।

बाबरी मस्जिद को लेकर हुमायूं ने कहा कि मुसलमानों को मस्जिद बनाने का हक है, इसे कोई नहीं रोक सकता. साथ ही उन्होंने राम मंदिर को लेकर भी बयान दिया है. उन्होंने विवाद से साफ इनकार कर दिया है।

हुमायूं ने क्या कहा?

हम राम मंदिर के खिलाफ नहीं हैं.

जब मैंने इस बाबरी मस्जिद के बारे में बताया तो उन्होंने कहा कि वे सागरदीघी पर राम मंदिर बनाएंगे।

अल्लाह मुझसे प्यार करता है, इसलिए हमने कोर्ट में यह लड़ाई जीती।

बाबरी मजीद विवादित जमीन पर था, वे कह रहे हैं कि 145 करोड़ लोगों में से 40 करोड़ मुसलमान हैं।

बंगाल में 4 करोड़ मुसलमान हैं, हम बाबरी मस्जिद का पत्थर नहीं रख सकते?

हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं. अगर कोई क्से आकर यहां कुछ कहता है, तो हम बर्दाश्त नहीं करेंगे. हम यहां से बाबरी मस्जिद की एक ईट भी नहीं हिलने देंगे।

मस्जिद के साथ एक हॉस्पिटल भी बनेगा।

यूपी के डिप्टी सीएम का रिएक्शन

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हुमायूं कबीर के बाबरी मस्जिद को लेकर बयान जारी किया है. उन्होंने कहा, 'यह सब TMC की नौटंकी है. बंगाल में भाजपा की सरकार आने वाली है, अगर बाबर के नाम पर एक भी ईट रखी गई तो भाजपा उसे उखाड़ फेंकेगी.' वहीं, कांग्रेस नेता इमरान मसूद का इस मामले पर बयान आया है. उन्होंने हुमायूं कबीर के मस्जिद की नींव रखने पर कहा कि ममता जी को सख्त एक्शन दिखाना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने क्या कहा?

मसूद ने आगे कहा, 'ममता को किस चीज का डर लग रहा है, मैं मुसलमान होकर कह रहा हूं. यह तमाशा नहीं चलेगा मस्जिद बनानी है, मस्जिद बनाओ लेकिन मस्जिद का नामांकरण इस तरह नहीं होगा. तुम नफरत के नाम पर मस्जिद का नामांकरण करोगे? ममता जी गेम फिक्स करने की कोशिश ना करें. मस्जिद बनानी है, मस्जिद बना दें. मस्जिद के नाम पर सियासत क्यों कर रहे हैं? मुर्शिदाबाद के लोगों को देश के अंदर रहने वाले मुसलमान के बारे में भी सोचना चाहिए. जो छोटी-छोटी जगह में थोड़ी-थोड़ी आबादी में जो रह रहे हैं उनके बारे में सोचना चाहिए.' उन्होंने हुमायूं पर हमला बोलते हुए कहा कि एक जगह पर तुम बहुसंख्यक (मुस्लिम) हो जाओगे तो वहां नफरत फैलाओगे?

चुनाव से पहले ममता का दांव

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मुर्शिदाबाद के भरतपुर से विधायक हुमायूं कबीर को 4 दिसंबर 2025 को पार्टी से निलंबित कर दिया था क्योंकि उन्होंने शुक्रवार 6 दिसंबर (बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी पर) को मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक बड़ी मस्जिद का शिलान्यास करने की घोषणा की थी. पार्टी ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाली गतिविधि, धर्म की राजनीति और पार्टी विरोधी कार्य मानते हुए उनको पार्टी से निकाल दिया था. वरिष्ठ नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि कबीर को पहले भी कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन वे नहीं माने; पहले भी 2015 में ममता बनर्जी व अभिषेक बनर्जी की आलोचना करने पर उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निकाला गया था।

आंबेडकर की पुण्यतिथि पर मोहम्मद अली जौहर पर निशाना, CM योगी ने कहा- वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को भीमराव आंबेडकर की 69वीं पुण्यतिथि के मौके पर उनके एक बयान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने एक बार कहा था कि 'जो व्यक्ति भारत की धरती पर पैदा हुआ है, भारत की सुविधाओं का इस्तेमाल करता है, फिर भी भारत की धरती को अपवित्र मानता है, उसकी बातें कभी भी भारतीयों के हित में नहीं हो सकतीं। योगी आदित्यनाथ जाहिर तौर पर खिलाफत आंदोलन की प्रमुख हस्ती मौलाना मोहम्मद अली जौहर का जिक्र कर रहे थे, जिन्होंने 1931 में यरूशलम में मृत्यु की इच्छा जताई थी। लखनऊ में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के 'महापरिनिर्वाण दिवस' (पुण्यतिथि) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'बाबासाहेब आंबेडकर ने उस समय हमें उन सभी खतरों से आगाह किया था। याद रखें, उस समय 1923 में एक प्रमुख नेता ने कांग्रेस अध्यक्ष पद पर रहते हुए वंदे मातरम गाने से इनकार कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनके जीवन आखिरी पल आए, तो उन्होंने यरूशलम में मृत्यु की इच्छा जताई। आदित्यनाथ ने कहा, 'उस समय बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने एक बयान दिया था कि जो व्यक्ति भारत की धरती पर पैदा हुआ है, भारत की सुविधाओं का इस्तेमाल करता है, फिर भी भारत की धरती को अपवित्र मानता है, उस व्यक्ति की बातें कभी भी भारतीयों के हित में नहीं हो सकतीं।' उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से जो लोग तुष्टीकरण की नीति पर चल रहे हैं, वे न केवल भारत को नुकसान पहुंचा रहे हैं, बल्कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर का भी अपमान कर रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा, 'उनके प्रयासों का एक हिस्सा देशवासियों को उनकी सुविधाओं से वंचित करना भी है।' कांग्रेस की वेबसाइट के अनुसार, मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने 1923 में कांग्रेस के काकीनाडा अधिवेशन की अध्यक्षता की थी।

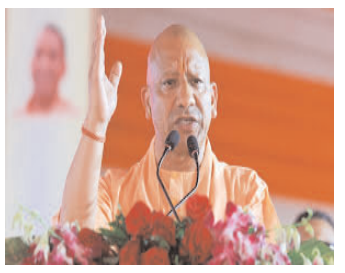

आंबेडकर की प्रतिमाओं की सुरक्षा होगी - CM

आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं की सुरक्षा के लिए उनके चारों ओर दीवार का एक सुरक्षा घेरा बनाएगी। आदित्यनाथ ने कहा, आज हमारी सरकार एक और अहम फैसला लेने जा रही है, और वह फैसला यह है कि उत्तर प्रदेश में जहां भी बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाएं लगी हैं, वहां कुछ शरारती तत्व अक्सर आकर इन प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। वे उन्हें नुकसान पहुंचाने की बुरी कोशिशें करते हैं। अब हमारी सरकार इन प्रतिमायों के चारों ओर दीवार बनाकर उनकी सुरक्षा के लिए एक प्रणाली बनाएगी।

संक्षिप्त ख़बरें

कर्नाटक के धारवाड़ में हादसाः परिवार से मिलने जा रहे थे पुलिस अफसर, रास्ते में डिवाइडर से टकरा गई कार; जिंदा जलकर मौत

कर्नाटक के धारवाड़ जिले से एक दर्दनाक रोड एक्सीडेंट सामने आया है, जहां कार के डिवाइडर से टकराने के बाद लोकायुक्त इंस्पेक्टर की जिंदा जलकर मौत हो गई. घटना के दौरान राहगीरों ने उन्हें बचाने की बहुत कोशिश की, लेकिन आग ज्यादा भीषण होने के कारण उन्हें बचा नहीं पाए. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है. यह हादसा धारवाड़ जिले के अन्निगेरी शहर के बाहरी इलाके में हुआ. हावेरी के लोकायुक्त इंस्पेक्टर पंचाक्षरी सलीमथ शुक्रवार को अपनी ह्व20 कार से गडग जा रहे थे. इसी बीच उनकी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे कार में आग लग गई. ऐसे अनुमान जताया जा रहा है कि कार के लॉक होने जाने के कारण सलीमथ बाहर नहीं निकल गए. स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस और दमकल विभाग की टीम को दी।

इंस्पेक्टर की कार में जिंदा जलकर मौत

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया. हालांकि, तब तक इंस्पेक्टर की कार में जिंदा जलकर मौत हो चुकी थीं. जानकारी के अनुसार, सलीमथ हावेरी लोकायुक्त में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे. वे गडग में अपने परिवार से मिलने जा रहे थे. लेकिन बीच रास्ते में ही किस्मत ने उन्हें रोक लिया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही हादसे की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जांच में जुटी

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि हादसे के सही कारणों का पता लगाया जा सके. मौत की खबर मिलने के बाद से ही मृतक इंस्पेक्टर के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है. कुछ दिनों भी एक दर्दनाक रोड एक्सीडेंट की घटना सामने आई थी, जिसमें कर्नाटक के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी महंतेश बिलगी की भी एक कार दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

क्या से क्या हो गया, बेवफा तेरी दोस्ती में..., कांग्रेस ने तंज कसते हुए मोदी सरकार पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कांग्रेस ने नई अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति को लेकर शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव का प्रतीक है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस दस्तावेज में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उसे दावे का उल्लेख किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष को सुलझाया था। रमेश ने कहा कि 33 पृष्ठ के राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के दस्तावेज व्हाइट हाउस द्वारा जारी किए गए हैं। रमेश ने कहा, ''दस्तावेज के अपने परिचय में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना दावा दोहराया है कि उन्होंने 'भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते संघर्ष को सुलझाया। पृष्ठ आठ पर भी यही दावा दोहराया गया है।''

उन्होंने दावा किया कि 2025 की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव का भी प्रतीक है। रमेश ने कहा, 'यह उस स्पष्ट आलोचना से बचता है जो 2017 की ट्रंप की उस रणनीतिक दस्तावेज को परिभाषित करता है, जिसने खुले तौर पर पाकिस्तान पर अमेरिकी साझेदारों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया था, सख्त आतंकवाद रोधी कार्रवाई की मांग की थी और इस्लामाबाद पर दबाव डाला था कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार के जिम्मेदार प्रबंधन का प्रदर्शन करे। नई रणनीति में ऐसे किसी भी संदर्भ को त्याग दिया गया है।'' उन्होंने देव आनंद अभिनीत फिल्म 'गाइड' (1965) के एक गीत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया, 'क्या से क्या हो गया, बेवफा तेरी दोस्ती में '। कांग्रेस महासचिव ने दस्तावेज़ के 'स्क्रीनशॉट' भी साझा किए जहां मई में भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने के ट्रंप के दावों का संदर्भ दिया गया है। रमेश ने दस्तावेज़ का व्हाइटहाउस वेबसाइट लिंक भी साझा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने 60 से अधिक बार यह दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच बीते मई महीने में सैन्य संघर्ष को व्यापार समझौते के जरिए सुलझाया। दूसरी तरफ भारत का कहना है कि पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के संपर्क किए जाने के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने पर विचार किया गया।

छाती पर गहरे घाव-गर्दन रेता... उदयपुर में नानी और मासूम की हत्या, पैर काटकर चांदी के कड़े ले गया, क्या दामाद ही है कातिल?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उदयपुर के सलूंबर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां सेमारी इलाके के जहात फलां में देर रात बदमाशों ने घर में घुसकर एक बुजुर्ग महिला और उसके चार वर्षीय नाती की बेरहमी से हत्या कर दी. मृतका के 65 वर्षीय पति धन्ना मीणा ने इस हत्याकांड के लिए अपने दामाद को जिम्मेदार ठहराया है. पड़ोसियों ने बताया कि देर रात अचानक घर से चीख-पुकार सुनाई दी. शोर सुनकर जब वे मौके पर पहुंचे तो उन्हें सामने खौफ़नाक दृश्य दिखाई दिया. गौरी (65) और उसका नाती सुरेन्द्र (5) लहूलुहान अवस्था में मृत पड़े थे. दोनों के सिर, पेट और छाती पर धारदार हथियारों से कई वार किए गए थे. हैवानियत का आलम यह था कि बुजुर्ग महिला के पैरों को काट दिया गया था, और बदमाश उनके पैरों में पहने चांदी के कड़े ले गए।

कुछ दिन पहले ही नानी के घर आया था मासूम

प्रथम दृष्टया पुलिस का अनुमान है कि हमलावरों की संख्या दो से तीन रही होगी. घटना के समय परिवार पड़ोस में चल रहे सत्संग कार्यक्रम में गया हुआ था. इस दौरान बदमाशों ने मौका पाकर घर में घुसकर हमला किया. छोटा बच्चा सुरेन्द्र कुछ दिन पहले ही अपनी नानी के घर आया था और हॉल में नानी के साथ सो रहा था. वारदात की जानकारी मिलते ही शनिवार सुबह करीब सात बजे एसपी राजेश यादव, डिप्टी चांदमल सिंगारिया और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची. टीम ने घर का निरीक्षण किया और घटनास्थल से सबूत जुटाए. एसपी राजेश यादव ने कहा कि घर के अंदर से सामान चोरी नहीं किया गया, बल्कि घटना को लूट जैसा दिखाने की कोशिश की गई. बदमाशों ने चांदी के कड़े ले जाने के लिए बुजुर्ग महिला के पैर काटे, जबकि दोनों की मौत सिर पर किए गए घातक वार से हुई है।

दामाद पर लगाया आरोप

इधर, मृतका के पति धन्ना मीणा ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी के पति गंगाराम मीणा ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है. उसके अनुसार, गंगाराम नशे का आदी है और आए दिन उनकी बेटी से मारपीट करता था. परिजनों द्वारा टोके जाने पर वह नाराज रहता था और धमकियां देता था. धन्ना ने आरोप लगाया कि गंगाराम ने किसी साथी के साथ मिलकर उसकी पत्नी और नाती की हत्या की है. परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार करते हुए मांग रखी है कि पहले गंगाराम को गिरफ्तार किया जाए। फिलहाल दोनों शव सेमारी CHC में रखे गए हैं और पुलिस परिजन को समझाने में जुटी है. बताया जा रहा है कि गंगाराम वारदात के बाद गांव से फरार हो चुका है।

'धर्म बदलकर मुझसे शादी करो...' इनकार पर भड़का युवक, ब्लेड से लड़की के गले पर किया वार, हाथ की नस काट दीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से सनसनीखेज घटना सामने आई है. आरोप है कि एक युवक युवती के घर में घुस आया और उस पर ब्लेड से गले और हाथ की नस पर वार कर दिया. गंभीर रूप से घायल अवस्था में परिजन युवती को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां स्थिति नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उसे बीएचयू वाराणसी के ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया. परिवार का आरोप है कि आरोपी युवक उस पर धर्म परिवर्तन कराने और शादी के लिए लंबे समय से दबाव बना रहा था. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है और परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई है. वारदात मिर्जापुर की कटरा कोतवाली क्षेत्र के गणेशगंज मोहल्ले में हुई. स्थानीय लोगों के अनुसार, अचानक मोहल्ले में अफरा-तफरी मच गई जब एक युवती लहूलुहान हालत में बाहर निकलकर मदद की गुहार लगाने लगी. उसको खून से लथपथ देखकर आसपास के लोग तुरंत उसके परिजनों को सूचना देने दौड़े. परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और उसे तत्काल जिला मंडलीय अस्पताल ले गए. डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को गंभीर बताते हुए वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

युवती पर जबरन धर्म परिवर्तन का बनाता था दबाव

बताया जा रहा है कि घटना के बाद आरोपी युवक मौके से फरार हो गया. परिजन ने आरोप लगाया है कि युवक एक विशेष समुदाय से ताल्लुक रखता है और वह युवती पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने तथा उससे विवाह करने का दबाव डाल रहा था. परिजन पहले भी इस मुद्दे पर चिंता जता चुके थे, लेकिन घटना ने स्थिति को और भयावह बना दिया. सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक (सिटी) पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. उन्होंने परिजनों से बातचीत की और मामले के तथ्यों की जानकारी ली. अधिकारी ने बताया कि युवती पर ब्लेड से हमला किया गया है और आरोपी फिलहाल फरार है. पुलिस टीम उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है. पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि लड़की और आरोपी युवक एक वर्ष से एक-दूसरे को जानते थे. उनके बीच दोस्ती थी, लेकिन संबंधों में तनाव आने के बाद घटना को अंजाम दिया गया. इस संबंध में पीड़िता के भाई ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

7 लोगों को हिरासत में लिया गया

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. साथ ही घटना की छानबीन के लिए चार अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुतिन की ऐतिहासिक भारत यात्रा और बदलती वैश्विक राजनीति में नई दिशा

हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात सिर्फ दो राष्ट्राधिकारियों का औपचारिक संवाद नहीं था, बल्कि एक ऐसे वक्त में हुई ऐतिहासिक बैठक थी जब वैश्विक राजनीति कई मोर्चों पर तीव्र परिवर्तन से गुजर रही है। विश्व व्यवस्था के बदलते समीकरण, यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि, अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों का बढ़ता दबाव, एशिया की नई रणनीतिक प्राथमिकताएँ आदि इन सभी के बीच पुतिन का भारत आना और भारत द्वारा अपनी कूटनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से दुनिया के सामने रखना बेहद महत्वपूर्ण है।इस उच्चस्तरीय मुलाकात में भारत ने यह दो टूक कहा कि वह न्यूट्रल नहीं है, बल्कि शांतिपक्ष में है। यह बयान अपने आप में भारत की परिपक्व, आत्मविश्वासी और स्वतंत्र विदेश नीति का परिचायक है। भारत ने दुनिया को संकेत दिया कि वह किसी खेमे की राजनीति में नहीं बँधने वाला, बल्कि उसकी प्राथमिकता वैश्विक शांति, स्थिरता और संवाद है। यही भारतीय विदेश नीति की वह धारा है जिसने दशकों से भारत को वैश्विक मंच पर विश्वसनीय, संतुलित और दूरदर्शी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया है। यही कारण है कि पुतिन ने खुलकर कहा कि भारत खुशकिस्मत है कि उसके पास मोदी जैसे नेता हैं।और उन्होंने यूक्रेन संकट में भारत की शांति कोशिशों की सराहना की। पुतिन का यह औपचारिक आभार न केवल हिंद-रूसी रिश्तों की मजबूती को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत आज उस स्थिति में है जहाँ विश्व की प्रमुख शक्तियाँ उसकी मध्यस्थता, उसके संवाद और उसके रुख को गंभीरता से सुनती हैं।भारत के राष्ट्रपति भवन में पुतिन को 21 तोपों की सलामी दी गई।यह सम्मान उस गहरे द्विपक्षीय भरोसे और परंपरा का प्रतीक है

जिसने दोनों देशों को दशकों से जोड़ा हुआ है। पुतिन ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। यह कदम न केवल भारत की महान सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देता है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि वैश्विक संघर्षों के बीच गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांत आज भी समाधान का मार्ग हो सकते हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन की इस यात्रा को ऐतिहासिक बताया। यह शब्द केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक संदेश है। ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों में रूस के साथ संवाद सीमित हो गया है, भारत का यह रुख उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रमाण है। यह भारत की उस भूमिका को भी रेखांकित करता है जो वह वैश्विक शांति के लिए निभा सकता है। भारत न तो टकराव का पक्षधर है, न ही एकतरफा दबावों का, बल्कि भारत का लक्ष्य है संवाद, सहयोग और संतुलन की नीति। पुतिन का यह दौरा अमेरिकी और पश्चिमी दबावों के बीच हुआ। लेकिन भारत ने जिस सहजता, गरिमा और स्पष्टता के साथ अपनी स्थिति रखी, वह उसके आत्मविश्वास को दर्शाता है। भारत ने यह भी दिखाया कि वह किसी भी वैश्विक शक्ति के दबाव में अपनी राष्ट्रीय हितों और स्वतंत्र कूटनीति से समझौता नहीं करेगा। यही भारतीय डिप्लोमेसी की सबसे बड़ी मजबूती है। दबाव में भी दृढ़ता और संवाद में भी लचीलापन है। इस यात्रा का एक अनोखा और सांस्कृतिक पहलू वह उपहार था जो प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को दिया।रूसी भाषा में लिखी भगवद् गीता। यह सिर्फ एक पुस्तक नहीं, बल्कि भारतीय दर्शन, अध्यात्म और नैतिक मूल्यों का प्रतीक है। गीता जीवन के संघर्षों, कर्तव्य और नैतिकता की शिक्षा देती है। इसे रूसी भाषा में भेंट करना एक सशक्त संदेश था।भारत अपने मित्र देशों से केवल रणनीतिक संबंध नहीं रखता, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी उतना ही महत्व देता है। हैदराबाद हाउस की इस बैठक में भारत और रूस के बीच ऊर्जा, रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और वैश्विक मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। भारत ने शांति स्थापना पर अपना दृढ़ रुख दोहराया और रूस ने भी भारत की मध्यस्थता और उसकी कोशिशों को असाधारण बताया। यह उस विश्वास की नींव है जिस पर भारत-रूस संबंध दशकों से खड़े हैं।चाहे वह शीतयुद्ध के दौर की वैश्विक राजनीति रही हो या वर्तमान बहुध्रुवीय विश्व। भारत की यह नीति कि वह शांति पक्ष में है।विश्व को एक नया संदेश देती है। यह संदेश बताता है कि भारत न तो किसी युद्ध का समर्थक है और न ही किसी एकतरफ़ा कठोर निर्णय का। भारत की प्राथमिकता है कि दुनिया संवाद के रास्ते पर चले और समस्याओं का समाधान कूटनीति के माध्यम से खोजा जाए। यही भारत का वैश्विक दक्षिण के नेता के रूप में उभरता हुआ स्वरूप है, जहाँ वह विकासशील देशों की आवाज बनकर सामने आ रहा है।पुतिन की इस यात्रा ने एक और महत्वपूर्ण तथ्य उजागर किया।भारत की वैश्विक भूमिका अब केवल क्षेत्रीय शक्ति की नहीं है, बल्कि वह बड़े वैश्विक संकटों पर भी निर्णायक राय रखने वाला राष्ट्र बन चुका है। रूस जैसे बड़े राष्ट्र का भारत की शांति पहल पर विश्वास जताना इस बदलती वास्तविकता का प्रमाण है। भारतीय कूटनीति आज एक नए मोड़ पर है।जहाँ वह संतुलन रखते हुए भी निर्णायक भूमिका निभा रही है। जहाँ वह मित्रता निभाते हुए भी अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रख रहा है। और जहाँ वह वैश्विक संघर्षों के बीच भी शांति का मार्ग दिखा रहा है। हैदराबाद हाउस में हुई यह मुलाकात इसलिए ऐतिहासिक है, क्योंकि इसने वैश्विक राजनीति को यह दिखाया कि भारत का उदय न केवल आर्थिक शक्ति के रूप में है, बल्कि एक विश्वासपात्र, स्थिर और शांति-समर्थक राष्ट्र के रूप में भी है। पुतिन ने इसे स्वीकार किया, भारत ने इसे दोहराया और दुनिया ने इसे ध्यान से देखा। इस यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत किसी का साइलेंट पार्टनर नहीं, बल्कि शांतिपथ का मुखर नेतृत्व कर रहा है। उसकी विदेश नीति न दबाव में झुकती है, न अवसरों में विचलित होती है। यही भारत की कूटनीतिक शक्ति है, यही उसकी विश्वसनीयता का आधार है और यही आने वाले वर्षों में वैश्विक राजनीति को दिशा देने वाला सिद्धांत भी होगा। यह यात्रा सिर्फ कूटनीति का अध्याय नहीं, बल्कि एक नया संकेत है।भारत अब वैश्विक संवाद का केंद्रीय स्तंभ बन चुका है।

कांतिलाल मांडोत

घुसपैठियों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख का स्वागत

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारत में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और पड़ोसी देशों के घुसपैठियों के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने घुसपैठियों की पैरवी करने वालों से पूछा कि क्या केंद्र सरकार ने इन लोगों को शरणार्थी घोषित करने का कोई आदेश जारी किया है ? यदि नहीं, तो फिर इन्हें देश से बाहर निकालने पर आपत्ति क्यों की जा रही है ? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा है कि भारत में ही बहुत बड़ी संख्या में लोग गरीबी और अभाव में जीवन यापन कर रहे हैं । सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी अपने गरीब तथा कमजोर वर्ग के नागरिकों के लिए भोजन, पानी, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करना है न कि अवैध रूप से देश में घुस आए लोगों के स्वागत में लाल कालीन बिछाना और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना। आज स्थिति यह है कि गरीबों के नाम पर चलाई जा रही कई योजनाओं का वास्तविक लाभ देश के जरूरतमंद नागरिकों तक कम और अवैध घुसपैठियों तक अधिक पहुँच रहा है। सीमा पार से पाकिस्तान, बांग्लादेशी और रोहिंग्या समुदाय के लोग चोरी-छिपे अथवा सुरंगों के सहारे भारत में प्रवेश कर जाते हैं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों अथवा कुछ भ्रष्ट कर्मचारियों की मदद से आसानी से शासकीय योजनाओं का लाभ उठाते देखे जाते हैं । जब-जब अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी, बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने की बात होती है, तब तब कुछ राजनीतिक दलों से जुड़े लोग तथा उच्च शिक्षित वर्ग के कुछ तथाकथित मानवतावादी कार्यकर्ता अचानक इन घुसपैठियों के पक्ष में खड़े हो जाते हैं और वे बड़ी-बड़ी मानवाधिकार संबंधी दलीलें देकर अदालतों का दरवाजा खटखटाते हैं और अवैध घुसपैठियों के प्रति हमदर्दी दिखाने लगते हैं । जबकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है, कोई अंतरराष्ट्रीय शरणस्थली नहीं, जहाँ कोई भी कभी भी आकर बस जाए। स्वतंत्रता के बाद से अब तक गरीबों के उत्थान और गरीबी उन्मूलन के नाम पर अनेक योजनाएं बनाई गई और लागू भी की गई, परंतु दुख की बात है यह कि देश में गरीबी कम होने के बजाय लगातार बढ़ती ही गई। इसका एक कारण अवैध घुसपैठ भी माना जाना चाहिए । वर्षो से पाकिस्तानी और बांग्लादेशी घुसपैठिये न केवल गरीब तबके के हितों पर चोट पहुँचाते आ रहे हैं, बल्कि कई बार घुसपैठियों के भेष में आतंकी देश के भीतर प्रवेश कर निर्दोष नागरिकों का रक्तपात करते हैं और राष्ट्र की सुरक्षा व अस्मिता को गंभीर खतरे में डालते हैं ।

अतः अवैध घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने के मुद्दे पर पूरे देश को तथा सभी राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सरकार का समर्थन करना चाहिए न कि घुसपैठियों की पैरवी कर सरकार के कदमों का विरोध कर अदालत में चुनौती देना चाहिए ! अवैध घुसपैठियों का समर्थन करना देशहित के विरुद्ध है ।

अरविंद रावल

सिस्टम को झकझोर देने वाला एक वचन: 'यह मेरी गलती है'

[जनता का दर्द फाइलों में नहीं— एक इंसान की आँखों में पढ़ा गया]
[दमोह मप्र की वह रात, जिसने दिखाया असली प्रशासन क्या होता है]

सर्द हवा उस रात सिर्फ तापमान नहीं गिरा रही थी, वह व्यवस्था की सड़ चुकी परतों को भी उधेड़ रही थी। मध्यप्रदेश के दमोह के जिला अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर बैठे वे लोग सिर्फ ठंड से नहीं जूझ रहे थे, वे उस तंत्र की बेरहमी से भी लड़ रहे थे, जो फाइलों में 'जनहित' की दास्तानें लिखता है, लेकिन जमीन पर जरूरतमंदों के सामने ताले झुलाकर अपनी जिम्मेदारी से भाग खड़ा होता है। रैन बसेरे जैसा आश्रय, जो किसी भी शहर की करुणा का प्रतीक होना चाहिए—वहाँ बेइंतजामी इतनी गहरी थी कि भीतर शराबियों की मौज थी और बाहर मरीजों के परिजन ठिठुरते हुए। भव्य इमारतें, भारी बजट, चमकदार योजनाएँ, और बीचों-बीच इंसानियत का दम घुटता हुआ दृश्य। और यह सब तब तक किसी की नजर में नहीं आता, जब तक देखने की नीयत वाला कोई न पहुंच जाए। उस रात ऐसा ही हुआ– बिना सूचना, बिना कैमरे और बिना औपचारिक तामझाम के दमोह जिले के जिलाधीश सुधीर कोचर वहाँ पहुंचे। उनके पहुँचते ही एक युवक फफकता हुआ पैरों में गिर पड़ा। उसके आँसू सिर्फ उसकी ठंड नहीं थे, बल्कि व्यवस्था की पत्थर जैसी संवेदनहीनता का सच थे। उसने बताया–दरवाज़ा बंद, कर्मचारियों का बेरहम जवाब– 'जगह नहीं है।' माँ अस्पताल में भर्ती, और वह बाहर जमा देने वाली हवा में रात काटने को मजबूर। यह दृश्य किसी भी जागे हुए अंतःकरण को झकझोर देता–और कलेक्टर कोचर वे नहीं, जो सिस्टम की लापरवाही को नियति मानकर आगे बढ़ जाएँ। उन्होंने न किसी और पर उंगली उठाई, न बहानों का किला खड़ा किया। आरोपों की ढाल ओढ़कर छिप जाने के बजाय, उन्होंने वह किया जिसे सत्ता में बैठे लोग अक्सर याद भी नहीं करते–उन्होंने गलती की पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली। जनता के बीच हाथ जोड़कर खड़े हुए और साफ कहा–' यह मेरी गलती है, मेरी जवाबदेही है।' भारतीय प्रशासनिक इतिहास में ऐसे क्षण मोती की तरह दुर्लभ हैं, जब कोई अधिकारी खुद को कटघरे में खड़ा कर जनता के सामने सिर झुकाकर क्षमा माँगे। पर असली सार माफी में नहीं था, असली सार उस माफी को सुधार की दिशा में पहले कदम में बदल देने में था। न यह कोई भावुक अभिनय था, न बनावटी रोष, न कैमरों के लिए रचा गया दृश्य। यह वह पल था जब एक इंसान ने अपनी कुर्सी के अहं से ऊपर उठकर इंसानियत को चुना। और फिर–उसी रात सब बदल गया। ताले खुले, शराबियों को बाहर निकाला गया, गद्दे साफ हुए, रज़ाइयाँ बाँटी गईं। नई व्यवस्था बनी–24 घंटे खुला रैन बसेरा, हर रात की निगरानी, हर कर्मचारी की स्पष्ट जवाबदेही। यह सिर्फ आदेशों की श्रृंखला नहीं थी–यह मानसिकता में आया तेज, निर्णायक और ईमानदार परिवर्तन था। हमारे देश में इमारतों की कोई कमी नहीं, करोड़ों के बजट भी हैं और योजनाओं से भरे चमकदार दस्तावेज़ भी। पर इन सबके बीच जो चीज़ अक्सर गुम रहती है, वह है– ज़मीर। जब ज़मीर सोता है, तो ताले लगते हैं; ज़मीर जाग जाए तो ताले खुद शर्म से टूट जाते हैं। दमोह की उस रात भी यही हुआ–एक अधिकारी का जागा हुआ ज़मीर पूरे तंत्र के लिए एक तेज़, चुभती हुई चेतावनी बनकर उठ खड़ा हुआ। उस एक जागरण ने दिखा दिया कि सिस्टम को बदलने के लिए बड़ी बैठकों या भारी भरकम आदेशों की नहीं, सिर्फ़ एक जागी हुई आत्मा की ज़रूरत होती है। अधिकारी दो तरह के होते हैं–एक वे, जो सिर्फ़ कुर्सी से शासन करते हैं; जिनके लिए सत्ता एक ऊँची दीवार भी है और सुविधाओं का सुरक्षा कवच भी। ऐसे लोग फ़ाइलों की दुनिया से बाहर झाँकना भी नहीं चाहते। और दूसरे वे, जो कुर्सी नहीं, ज़मीर से शासन करते हैं–जो रात के धुँधलके में भी सड़क पर उतरने का साहस रखते हैं, जो किसी अनजान मुसाफ़िर की ठिठुरन को अपनी नींद की बेचैनी समझते हैं, और जिनके लिए किसी गरीब की परेशानी मात्र 'मामला' नहीं, बल्कि कर्तव्य की पुकार होती है।

सुधीर कोचर ठीक इसी दूसरी श्रेणी के अधिकारी हैं, जिनके लिए प्रशासन सेवा है, प्रदर्शन नहीं; और जिनकी पहचान आदेशों से नहीं, उनके ज़मीनी कर्मों से होती है। उनकी इस कार्रवाई ने एक गहरी और दूर तक सुनाई देने वाली सीख छोड़ी–चूक चाहे किसी एक कर्मचारी की हो या पूरी व्यवस्था की, सच्चा अधिकारी वही है जो साहस के साथ कह सके: 'जिम्मेदार मैं हूँ।' यह वाक्य किसी पद का नहीं, यह वाक्य किसी पद की गरिमा नहीं बताता, बल्कि उस व्यक्ति के भीतर बसे नेतृत्व के असली चरित्र का परिचय है। ऐसे अधिकारी बदलाव की बातें नहीं करते, वे उसे अपनी मौजूदगी से महसूस कराते हैं। वे सुधार को फाइलों की पंक्तियों में नहीं, बल्कि ज़मीन पर उतरकर, लोगों के जीवन में दिखने वाले परिणामों में लिखते हैं। दमोह की उस रात ने यह सच उजागर कर दिया कि सुधार न तो भारी-भरकम आदेशों से आते हैं, न करोड़ों के बजटों से, और न ही जटिल योजनाओं से। असली सुधार तभी जन्म लेते हैं, जब कोई एक व्यक्ति दृढ़ होकर ठान ले कि 'अब और नहीं।' जब किसी इंसान की पीड़ा को वह आंकड़ों की ठंड में नहीं, संवेदना की गर्मी में महसूस करे। और यह बदलाव सिर्फ एक रैन बसेरे की सफाई नहीं करता–यह उस सोच के जंग लगे ताले तोड़ता है, जो अक्सर कंधे उचकाकर कह देती है– 'ये मेरा काम नहीं।' आज दमोह का रैन बसेरा सचमुच गर्म है–रजाइयाँ सिर्फ शरीर नहीं बचा रहीं, वे विश्वास को भी पुकार रही हैं। और शायद इसी पल किसी दूर जिले का कोई अधिकारी यह सोच रहा होगा कि जनता का दर्द कोई फाइल की प्रविष्टि नहीं–उसकी अपनी जिम्मेदारी है। यह घटना सिर्फ एक शहर का प्रसंग नहीं, बल्कि एक चेतावनी है–कि पद की कीमत तभी है, जब वह जनता की परेशानी को अपनी समस्या बना ले, अपनी नींद हराम करने लायक समझे। सुधीर कोचर ने उस रात सिर्फ रैन बसेरे के ताले नहीं तोड़े–उन्होंने पूरे सिस्टम को यह आईना दिखा दिया कि असली प्रशासन काग़ज़ी आदेशों से नहीं, जागी हुई संवेदनाओं से चलता है। उन्होंने साबित कर दिया कि जवाबदेही दूसरों पर थोप देने का नाम नहीं, खुद आगे बढ़कर रास्ता बनाने का साहस है। यह जीत किसी एक अधिकारी की नहीं, उस जिंदा ज़मीर की है जो बार-बार याद दिलाता है कि सत्ता की असली कीमत जनता की राहत और उसकी सुरक्षित रातों से तय होती है। कभी-कभी एक ही रात काफी होती है यह बताने के लिए कि नेतृत्व रिपोर्टों और आँकड़ों से नहीं गढ़ा जाता–नेतृत्व तब जन्म लेता है जब कोई एक व्यक्ति किसी ठिठुरते मुसाफ़िर के आँसू अपने दायित्व की पुकार समझ ले। और दमोह की वह रात इसी सच्चाई का सबसे चमकदार, सबसे निर्भीक प्रमाण बनकर उभरी।

प्रो. आरके जैन

संपादकीय

राजनीति का नैतिक अवसान, लोकतंत्र के भविष्य को खतरा

महात्मा गांधी का अमर वाक्य आज भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक त्रासदी पर सीधा प्रहार करता है सिद्धांतों के बिना राजनीति पाप है। 'कभी राजनीति जनसेवा का श्रेष्ठ मार्ग थी, यह मार्ग त्याग, तपस्या, साधना और राष्ट्रहित की भावना से निर्मित था, जहाँ राजनेता स्वयं को राष्ट्र के सेवक के रूप में देखते थे, न कि सत्ता के स्वामी के रूप में। किंतु समय का चक्र बदला और आज राजनीति का चरित्र भयावह रूप से परिवर्तित हो गया है। आधुनिक राजनीति का सबसे बड़ा संकट यही है कि इससे नैतिकता, सदाचार और आदर्श लगभग विलुप्त होते जा रहे हैं और सत्ता का लोभ, पद का प्रलोभन तथा सिद्धांतहीनता इसका मुख्य आधार बनते जा रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के समय राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्र के प्रति समर्पित था, वह त्याग और सत्याग्रह की शक्ति से समृद्ध था। महात्मा गांधी की अहिंसा, स्वामी विवेकानंद का राष्ट्रधर्म, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की क्रांति चेतना, सरदार वल्लभभाई पटेल की संगठन शक्ति, लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, जवाहरलाल नेहरू की वैचारिक प्रतिबद्धता, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का संविधान निर्माण ये सभी राजनीतिक आदर्श नैतिकता की ऊष्मा से प्रेरित थे। उस समय राजनीति में प्रवेश एक तपस्वी जीवन था, सत्ता नहीं सेवा थी, लाभ नहीं, त्याग था, प्रतिष्ठा नहीं, जिम्मेदारी थी। किंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राजनीति की दिशा धीरे-धीरे बदलती गई। जब लोकतंत्र में सत्ता की शक्ति का विस्तार हुआ, तब नैतिकता का पतन भी उसी गति से आरंभ हुआ। राजनीति सत्ता प्राप्ति का खेल बन गई और पद प्राप्त करने की होड़ नैतिकता, सिद्धांत और मानवीय मूल्यों पर भारी पड़ने लगी। आज स्थिति यह है कि राजनीति में प्रवेश का प्रमुख आधार धनबल, बाहुबल और धोखाधड़ी की शक्ति बन गया है। अनेक जनप्रतिनिधियों पर गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं, फिर भी वे संसद और विधानसभाओं की कुर्सियाँ सजाते हैं। सार्वजनिक संपत्ति को लूटने और रिश्वतखोरी के अपराधों में संलिप्त अनेक नेताओं की लंबी सूची है, जिन पर आरोप सिद्ध होने के बावजूद वे शासन-प्रशासन के निर्णायक पदों पर बैठे रहते हैं। यह राजनीति का सबसे बड़ा पतन है कि जिस शक्ति का उद्देश्य राष्ट्रनिर्माण था, वह व्यक्तिगत लाभ का साधन बन चुकी है। राजनीति आज चरित्रहीनता का उच्चतम उदाहरण प्रस्तुत कर रही है जहाँ भाई-भतीजावाद, परिवारवाद और पदों का व्यापार खुलकर सामने आता है। योग्य व्यक्ति अवसर से वंचित हो जाता है और अयोग्य सत्ता के केंद्र में पहुँच जाता है। कई राजनीतिक परिवारों में टिकट क्षमता से नहीं, बल्कि रक्त संबंध और वित्तीय शक्ति के आधार पर दिए जाते हैं। यह वह समय है जहाँ अपराधी चरित्र के व्यक्तियों को सुरक्षा, समर्थन और संरक्षण राजनीति के माध्यम से प्राप्त होता है। उद्योगपतियों और राजनीतिज्ञों का गठजोड़– जिसे क्रोनी कैपिटलिज़्म कहा जाता है– लोकतंत्र को सबसे अधिक क्षतिग्रस्त कर रहा है। चंदे के नाम पर खरीद-फरोख्त और नीतियों को निजी उद्योगों के पक्ष में घुमा देना आज आम बात है। इससे जनता का शोषण होता है, असमानता बढ़ती है और विकास असंतुलित होता है। महान अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने कहा था कि 'जब नीतियाँ नैतिकता से कट जाती हैं, तब विकास असमानता का हथियार बन जाता है।' संसद और विधानसभाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। बहसें समाधान और नीतियों पर केंद्रित होने के बजाय आरोप-प्रत्यारोप, हंगामे और असभ्य भाषा की प्रदर्शनशाला बन गई हैं। कानून निर्माण की प्रक्रिया बाधित होती जा रही है और सदन की कार्यक्षमता लगातार गिरती जा रही है। लोकतंत्र का मंदिर कहलाने वाली संसद अब राजनीतिक लाभ और मीडिया प्रदर्शन का मंच बन चुकी है। प्रसिद्ध विचारक हेनरी एडम ने कहा था– 'मानव स्वभाव का ज्ञान ही राजनीतिक शिक्षा का मूल है।' जब स्वभाव स्वार्थ से संचालित होने लगे, तब राजनीति राष्ट्र के लिए नहीं, व्यक्ति विशेष के लोभ के लिए कार्य करने लगती है। यह लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है कि हर पेशे में योग्यता निर्धारित है– डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, शिक्षक– सभी के लिए शैक्षणिक योग्यता और प्रशिक्षण अनिवार्य है, किंतु देश चलाने वाले जनप्रतिनिधियों के लिए किसी भी प्रकार की योग्यता का प्रावधान संविधान में नहीं है। जनप्रतिनिधि अधिनियम

1991 में भी इसके लिए कोई स्पष्ट मानदंड निर्धारित नहीं किया गया। परिणामतः राजनीति में अयोग्यता, असभ्यता और अपराधी वृत्ति के लोग तेजी से प्रवेश पा रहे हैं। यदि राजनीति को शुद्ध करना है, तो जनप्रतिनिधियों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता, चरित्र प्रमाणपत्र और गंभीर अपराध के दोषियों पर चुनावी प्रतिबंध आवश्यक है। राजनीतिक दलों को ऋद्धढ़ और वित्तीय ऑडिट के दायरे में लाया जाना चाहिए ताकि चंदा और खर्च की पारदर्शिता बनी रहे। चुनाव सुधार, नैतिक आचरण संहिता और संसदीय नियमों को कठोरता से लागू करना होगा। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था– 'राजनीति राष्ट्र के विकास का इंजन है, पर यह तब ही चल सकती है जब इसे ईमानदारी का ईंधन मिले।' आज राष्ट्र को चरित्रवान नेतृत्व की आवश्यकता है– ऐसे नेता जो राष्ट्रहित को स्वयं के हित से ऊपर रखें, सत्ता को सेवा मानें, न कि उपलब्धि। राजनीति तभी पवित्र बनेगी जब समाज शिक्षित, जागरूक और नैतिक नेतृत्व को चुनने के लिए प्रतिबद्ध होगा। लोकतंत्र तभी सुरक्षित रहेगा जब राजनीति का मूल लक्ष्य सत्ता नहीं, बल्कि समाज का उत्थान होगा। नैतिकता का पुनर्जागरण अनिवार्य है, अन्यथा आने वाली पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी। राजनीति की सच्ची आत्मा नैतिकता है यदि यह नष्ट हो गई, तो लोकतंत्र केवल एक ढाँचा बनकर रह जाएगा, जिसकी दीवारें धीरे-धीरे ढह जाएँगी। अतः आज का संदेश यही हैल राजनीति में नैतिकता लौटे, चरित्रशील नेतृत्व आगे आए, और लोकतंत्र विश्वास, पारदर्शिता एवं सदाचार की नई नींव पर पुनर्निर्मित हो।

संजीव ठाकुर

आरक्षण पर सवाल नहीं, जाति पर सवाल उठाने का समय है

[संविधान जिंदा है, पर क्या हम जिंदा हैं उसके आदर्शों में?]
[क्या हम 'हम भारत के लोग' में सचमुच सबको शामिल कर पाए?]

चैत्यभूमि पर कदम रखते ही एक अजीब-सी हलचल सी अंदर उठती है– जैसे यह धरती अपनी गूँज में कह रही हो, 'यहीं से जन्मी थी इंसान की गरिमा और न्याय की नई कहानी।' समुद्र की हवा भी उस पल में सामान्य नहीं लगती; उसमें एक गंभीरता, एक सम्मान, एक अडिग सन्नाटा घुला होता है। और फिर अचानक आपके सामने खुलता है वह महासागर–नीली किताबों का, नीले झंडों का, उन चेहरों का जिनकी आँखों में आँसू नहीं, सदियों का संघर्ष बोलता है। 'जय भीम' की गर्जना कोई नारा नहीं लगती; वह स्मरण है उस क्रांति का, जिसने टूटे हुए मनुष्य को फिर से मनुष्य बनाया। यह एक क्रांति का वार्षिक पुनर्जन्म है। यह उस दिन की स्मृति है जब 6 दिसंबर 1956 को दिल्ली के 26 अलीपुर रोड पर डॉ. बाबासाहब भीमराव अंबेडकर की साँसें थमीं, पर उनके विचार भारतीय संविधान की नसों में अमर होकर दौड़ने लगे। उन्होंने मरकर भी मरना स्वीकार नहीं किया। वे अंतिम सांस तक लड़ते रहे–जाति की ज़ंजीरों से, छुआछूत की घृणा से, अंधविश्वास की काली सुरंगों से, और सबसे कठिन युद्ध–अज्ञान की दीवारों से। जिस समाज ने उन्हें पानी तक न छूने दिया, उसी समाज को उन्होंने दुनिया का सबसे आधुनिक और मानवतावादी संविधान सौंपकर सिर ऊँचा करने का अवसर दिया। जिस समाज ने मंदिर के दरवाज़े बंद किए, उसी समाज को उन्होंने बुद्ध की शरण में ले जाकर गरिमा, तर्क और समानता का खुला आकाश दे दिया। 14 अक्टूबर 1956– नागपुर की दीक्षाभूमि पर जब उन्होंने 22 प्रतिज्ञाएँ लीं और लाखों लोगों को बौद्ध धर्म ग्रहण कराया, वह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था–वह सदियों की दासता, अपमान और अन्याय का महासंस्कार था। और दो महीने बाद जब वे शांत हुए, तब भी एक संदेश छोड़ गए–मैंने बौद्ध धर्म इसलिए चुना क्योंकि यह बराबरी, करुणा और विज्ञान पर आधारित है। आज जब हम महापरिनिर्वाण दिवस मनाते हैं, प्रश्न यह नहीं कि बाबासाहेब हमारे बीच नहीं हैं– प्रश्न यह है कि क्या हम उनके विचारों के बीच खड़े हैं? जिस संविधान की रक्षा के लिए उन्होंने जीवन खपा दिया, आज उसी पर बार-बार हमले हो रहे हैं। जिस समता की परिकल्पना उन्होंने की, आज वही समता खोखली करने की कोशिशें झेल रही है। आरक्षण पर फैलाया जाने वाला हर झूठ, उनके संघर्ष की नींव पर लूटा गया हमला है। उन्होंने स्पष्ट कहा था–आरक्षण कोई भीख नहीं, यह प्रतिनिधित्व का अधिकार है। फिर भी आज सवाल पूछा जाता है– 'आरक्षण कब तक?' जवाब साफ है– जब तक जाति है, जब तक भेदभाव है–तब तक आरक्षण रहेगा। और यदि कोई इसे खत्म करना चाहता है, तो पहले इस देश से जाति को खत्म करे। बाबासाहेब ने शिक्षा को केवल मार्ग नहीं, मुक्ति का सबसे बड़ा हथियार कहा।

'शिक्षित बनो' उनका पहला आदेश था, और आज उनके सपनों के सहारे लाखों-करोड़ों डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेसर तैयार हो रहे हैं। लेकिन सच यह भी है कि गाँवों में अब भी दलित बच्चियाँ स्कूल जाने से पहले दूसरों के घरों की दहलीज़ पर झाड़ू लगाती दिखती हैं। विश्वविद्यालयों में अब भी दलित छात्रों को अपमान और अलगाव की आग में धकेला जाता है– कभी-कभी इतनी गहरी कि वह जीवन छीन लेती है। यह सिर्फ बाबासाहेब का नहीं, हमारी पूरी सभ्यता का अपमान है। यह हमारी सामूहिक नाकामी है कि हम अभी तक उनके सपनों का भारत नहीं बना पाए। महापरिनिर्वाण दिवस केवल श्रद्धांजलि का संस्कार नहीं–यह आत्मा को झकझोर देने वाला आत्ममंथन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बाबासाहेब की जलायी हुई मशाल अभी बुझी नहीं; वह आग हमारे भीतर जलनी चाहिए। जब तक जाति के नाम पर एक भी इंसान का आत्मसम्मान कुचला जाता है, तब तक बाबासाहेब की आत्मा को चैन नहीं मिलने वाला। उन्होंने कहा था– 'मैं ऐसी पार्टी बनाऊँगा जो कमजोरों की होगी।' आज जरूरत है कि हम उस विचार को सिर्फ चुनावी पोस्टर न बनाएँ, बल्कि उसे एक आंदोलन, एक मिशन, एक प्रतिज्ञा बनाएं। 6 दिसंबर को चैत्यभूमि जाना महत्वपूर्ण है, पर उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है उस नीली किताब को फिर से खोलना। संविधान को पढ़ना–उसकी प्रस्तावना को ऊँची आवाज़ में दोहराना– 'हम भारत के लोग...' और यह संकल्प लेना कि इस 'हम' से कोई भी बाहर न धकेला जाए– न जाति से, न धर्म से, न लिंग से। बाबासाहेब ने बौद्ध धर्म अपनाते हुए कहा था– 'मैं जन्म से हिंदू पैदा हुआ था, पर मैं हिंदू होकर मरूँगा नहीं।' आज हमें भी यही प्रतिज्ञा लेनी है– कि हम जन्म से जो भी हों, पर अन्याय, भेदभाव, और असमानता के सामने झुककर कभी नहीं मरेंगे। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बाबासाहेब कोई दैवी शक्ति नहीं, बल्कि अपनी दृढ़ इच्छा, बुद्धि और संघर्ष से महान बने हुए एक साधारण जन्मे असाधारण इंसान थे। एक ऐसा इंसान जो दर्द से टूटा, लेकिन उसी दर्द को हथियार बनाकर उठ खड़ा हुआ। एक ऐसा इंसान जिसकी जिद, जिसकी पढ़ाई, जिसकी बेचैनी और जिसकी संघर्ष-भरी रातें–लाखों लोगों की सुबह बन गई। हम उनकी जयंती पर नारे बहुत लगाते हैं, लेकिन उनकी पुण्यतिथि हमें खामोशी में खुद से सबसे कठिन सवाल पूछने पर मजबूर करती है– हमने उनके लिए क्या किया? क्या हम सच में उनके विचारों के वारिस हैं, या सिर्फ उनके नाम को इस्तेमाल करने वाले सुविधाजनक वारिस? जब इस देश में एक भी व्यक्ति अपनी जाति की वजह से अपमानित होता है–समझ लीजिए, बाबासाहेब का परिनिर्वाण पूरा नहीं हुआ। उनका वास्तविक महापरिनिर्वाण तभी होगा जब जाति की अंतिम ईंट गिर जाएगी, जब समता सचमुच धरती पर उतरेगी, जब संविधान सिर्फ किताब नहीं, जीती-जागती जिंदगी बन जाएगा। तब तक बाबासाहेब जीवित हैं–हमारी लड़ाई में, हमारी आवाज़ में, हर 'जय भीम' की प्रतिध्वनि में। इसलिए इस 6 दिसंबर को सिर्फ फूल चढ़ाने मत जाना– अपने भीतर की जाति को मारने जाना। अपने भीतर के मनुवाद को अग्नि देने जाना। और लौटते समय यह संकल्प लेकर आना– कि अबकी बार, बाबासाहेब का सपना पूरा करके रहेंगे। जय भीम। जय भारत। जय संविधान।

प्रो. आरके जैन

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, गांव में शोक व्याप्त

लालगंज (रायबरेली)। उन्नाव-ऊंचाहार रेलखंड के पूरे झाऊलाल का पुरवा गांव के समीप शुक्रवार सुबह एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना से परिवार के साथ पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। गांव निवासी अमरेश यादव (22) पुत्र जागेश्वर यादव प्रतिदिन की भांति सुबह लगभग साढ़े आठ बजे शौच के लिए निकला था। इसी दौरान रेलखंड के किलोमीटर संख्या 110(1) व 111(15) के मध्य कानपुर की दिशा से आ रही पैसेंजर ट्रेन उसे अपनी चपेट में लेती हुई निकल गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि युवक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।सूचना पाकर जीआरपी एवं स्थानिक पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा भरने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया गया।मृतक पांच बहनों और दो भाइयों में दूसरे नंबर पर था। दो बहनों का विवाह हो चुका है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुरासी गांव स्थित बाबा प्राण दास की कुटी पर पांच दिवसीय मेला हुआ प्रारंभ

महराजगंज/रायबरेली। पुरासी गांव स्थित बाबा प्राण दास की कुटी प्रांगण में पिछले 200 वर्षों से लगने वाला परंपरागत पांच दिवसीय मेला इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास के साथ शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो गया। यह ऐतिहासिक मेला 9 दिसंबर तक चलेगा।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गंगासागर पांडे ने बताया कि मेले में प्रतिदिन अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मेले के प्रथम दिवस ही लगभग 500 दुकानें लग चुकी हैं, जिससे मेले का आकर्षण काफी बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि श्री राधा गोपाल रामलीला कमेटी परासी के योग्य कलाकारों द्वारा पूरे पांच दिनों तक भव्य और दिव्य रामलीला मंचन किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। इस अवसर पर कमेटी के अनुज तिवारी, शिव मोहन तिवारी, बी.के. मिश्रा सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी मेले की व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से लगे रहे।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी जोरदार टक्कर युवक की हुई मौत

बिसवां सीतापुर कोतवाली बिसवां इलाके के बहेरवा निवासी कलीम (26) पुत्र खलील बिसवां से बाइक द्वारा गुरुवार की रात अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिसवां-सिधौली मार्ग पर शेखनपुरवा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी हादसे में कलीम गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उन्हें बिसवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली पुलिस ने पंचायत नामा भरकर शव को जिला मुख्यालय पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सचिवो ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन बीडीओ को सौंपा

मलिहाबाद। ग्राम पंचायतो मे कार्य के अतिरिक्त विभागों के कार्य कराये जाने, अव्यावहारिक आन लाईन हाजिरी प्रणाली लागू किये जैसी दस सूत्रीय मागों को लेकर शुक्रवार को मलिहाबाद क्षेत्र मे तैनात दर्जन भर सचिव लामबंद हो गये। सचिवों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी को सौपा है। सचिव संजय कुमार गिरी, नासिर हुसैन, अनिल कुमार, अनुज यादव, अनुज त्यागी, संदीप कश्यप आदि ने बताया कि कार्यक्षेत्र मे मौजूद रहने के दौरान आनलाईन हाजिरी लगा पाना काफी मुश्किल भरा कार्य है। जिस तरह खण्ड विकास अधिकारी, क्षेत्र पंचायत कार्यालय अध्यक्ष एवं जिलास्तरीय कार्यालय अध्यक्षों की आनलाईन उपस्थिति अंकित करने का कोई प्रावधान नही है। उसी तरह हमलोगों को भी इससे मुक्त रखा जाये। सचिवों ने बताया कि एक सचिव के पास करीब आधा दर्जन ग्राम पंचायतों का प्रभार होता है। जिसके चलते किसी एक जगह से आनलाईन हाजिरी सम्भव नही है। सचिवों ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित दस सूत्रीय ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी मलिहाबाद को सौंपा है।

स्वास्थ्य विभाग के कदमों में पड़ी दलालों की बेड़ियां नहीं होती कोई कार्रवाई, क्या दलालों के इशारों पर चलेगा स्वास्थ्य विभाग का कारोबार

● आखिर कब तक बढ़ता रहेगा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की जेब का वजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर चिकित्सा पद्धति आज लोगों के लिए रुपए कमाने का जरिया बन कर रह गया है यही कारण है कि शहर से लेकर देहातों तक झोलाछाप डाक्टर और आर्टिफिशियल अस्पताल सैलून की तरह उग आए हैं जिनकी भेंट हर साल मासूम लोग चढ़ते हैं लेकिन इसके बाद भी इन स्वास्थ्य माफियाओं पर चिकित्सा विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता बस नोटिस थमा कर रह जाता हैं। कुछ समय के बाद हॉस्पिटलों के संचालकों व क्लिनिक संचालको से सांठ गांठ करके अधिकारियों की जेब का वजन बढ़ाकर फिर पुराने अंदाज में अपने काम पर लग जाते हैं और लोगों की जिंदगी और मौत के सौदागर बन जाते है। सीतापुर जिले का स्वास्थ्य महकमा न तो सरकारी अस्पतालों में इलाज मुहैया करा पा रहा है और न ही झोलाछाप डॉक्टर्स की क्लीनिकों को न ही हॉस्पिटलों को आज तक बंद करा पाया है यही कारण है कि ग्रामीण झोलाछाप डॉक्टर से इलाज कराने को मजबूर हैं यह झोलाछाप जानकारी के अभाव में ग्रामीण मरीजों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं अब तक कई झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीण मरीजों की जान ले चुके हैं। अभी हाल ही में नवजात बच्चे और मां की मौत हुई परिजनों ने बवाल भी काटा लाइफ लाइन हॉस्पिटल और मर्सी हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई भी की लेकिन आज फिर वही पुराने अंदाज में दोनों हॉस्पिटल अपनी जगह क़ायम हो गए और फिर लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया। वही लाइफ केयर क्लीनिक की भी खूब चर्चा होती है आए दिन मौतें होती रहती है स्वास्थ्य विभाग नोटिस थमा कर रह जाते है।

सीतापुर जिले का स्वास्थ्य महकमा गंभीर नजर नहीं आ रहा है कुल मिलाकर अब तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई कार्रवाई सिर्फ नोटिस देने तक ही सीमित है। जानकारी के मुताबिक सरकार ने ग्रामीण जनता को गांव में सहज इलाज मुहैया कराने के लिए ग्राम पंचायत से लेकर ब्लॉक व तहसील मुख्यालय पर स्वास्थ्य केंद्र तो खोल दिए हैं लेकिन इन पर पर्याप्त स्टाफ मुहैया न कराने तथा समय समय पर मॉनीटरिंग न होने से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। इसी मजबूरी के कारण ग्रामीण झोलाछाप डॉक्टर्स की क्लीनिको व अवैध हॉस्पिटलो पर इलाज कराने को मजबूर हैं वहीं यह झोलाछाप डॉक्टर ग्रामीण मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाकर उनके स्वास्थ्य से लगातार खिलवाड़ कर रहे हैं जिसके मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते लोग अपनी जान गंवा रहे हैं आर्टिफिशियल अस्पताल लहरपुर में सड़क किनारे जगह-जगह संचालित हो रहे है जिनमें ना तो कोई डाक्टर होता है ना ही प्रशिक्षित स्टाफ, और तो और इन पर अस्पताल संचालन से लेकर अग्निशामन और प्रदूषण नियंत्रण का भी पंजीकरण नहीं होता लेकिन इन अस्पतालों पर स्वास्थ्य विभाग की कृपा भरपूर है। अब देखना होगा लहरपुर में सैलून की तरह खुले अवैध हॉस्पिटल व क्लिनिको पर क्या कार्रवाई करता है स्वास्थ्य विभाग या फिर मुंह में चूरन दाबकर यूं ही तमाशा देखता रहेगा।

नमकीन फैक्ट्री में सिलेंडर फटने से भीषण आग, एक युवक झुलसा

● दो बाइक-साइकिल समेत सामान जलकर राख,फायर ब्रिगेड की तत्परता से बड़ा हादसा टला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के अंबेडकर मार्ग स्थित कोरिहई मोहल्ला विकास नगर में शुक्रवार सुबह घरेलू गैस सिलेंडर लीक होने से नमकीन फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हुईं और फैक्ट्री के भीतर रखा भारी सामान जलकर खाक हो गया। हादसे में एक युवक भी झुलस गया।जानकारी के अनुसार मोहल्ला निवासी सुरेंद्र सैनी के घर में नमकीन बनाने की यूनिट चल रही थी। सुबह करीब 9 बजे अचानक सिलेंडर लीक होने से आग भड़क उठी। आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया और धमाके के साथ सिलेंडर दग गया। अफरा-तफरी के बीच वहां खड़ी दो बाइक, एक साइकिल तथा अन्य जरूरी सामान जलकर राख हो गया।

आग बुझाने के प्रयास में फैक्ट्री संचालक का भाई जितेंद्र सैनी मामूली रूप से झुलस गया। स्थानीय लोगों ने जोखिम उठाते हुए आग पर काबू पाने की कोशिश की, जिसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने आग पूरी तरह नियंत्रित कर ली।फायर ब्रिगेड चालक आनंद प्रताप सिंह के मुताबिक, यह फैक्ट्री बस्ती के बीच बिना अनुमति चलाई जा रही थी और उत्पादन में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि किसी भी विभाग को इसकी जानकारी नहीं थी, ऐसे में यह हादसा और भी बड़ा रूप ले सकता था।

सड़क किनारे काली पन्नी में लिपटा युवक का मिला शव क्षेत्र में फैली सनसनी बना डर का माहौल

बिसवां सीतापुर कोतवाली क्षेत्र के लहरपुर रोड पर कोटरा पुल से आगे शुक्रवार दोपहर सड़क किनारे काली पन्नी में लिपटा एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक की पहचान दामोदर उर्फ लल्लन निवासी लोधनपुरवा, थाना मोतीपुर, जिला बहराइच के रूप में हुई। प्रभारी निरीक्षक मुकुल प्रकाश वर्मा ने बताया कि शव पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कोटेदारों अपनी समस्याओं को लेकर जिलापूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपा किया जोरदार प्रदर्शन

● ऑल इण्डियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश इकाई सीतापुर के सभी पदाधिकारी प्रदर्शन के दौरान उपस्थित रहे

उत्तर प्रदेश के कोटेदारों ने भरी हुंकारः लाभांश न बढ़ने और न्यूनतम आय गारंटी न मिलने पर 28 जनवरी 2026 से विधानसभा घेराव की चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। ऑल इण्डियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश' ने प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। संगठन ने मांग की है कि कोटेदारों का खाद्यान्न एवं चीनी पर लाभांश बढ़ाया जाए और अन्य राज्यों की तर्ज पर 'मिनिमम इनकम गारंटी'दी जाए। प्रमुख मांगें और कोटेदारों का पक्ष एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में बताया है कि उत्तर प्रदेश के कोटेदार पूरी ईमानदारी से ई-पास मशीनों के जरिए राशन वितरण कर रहे हैं। कोरोना काल में भी कोटेदारों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए प्रधानमंत्री अन्न योजना और खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत निशुल्क राशन घर-घर पहुँचाया। इसके अलावा, कोटेदार आयुष्मान कार्ड बनाने, किसान रजिस्ट्री और वोटर लिस्ट संशोधन जैसे सरकारी कार्यों में भी पूरा सहयोग दे रहे हैं।

लाभांश में भारी विसंगतिःसंगठन ने अन्य राज्यों के मुकाबले उत्तर प्रदेश में मिल रहे कम कमीशन पर गहरा रोष व्यक्त किया है। उत्तर प्रदेशः मात्र 90 प्रति कुन्तल लाभांश, हरियाणाः 200 प्रति कुन्तल, गोआः ?220 प्रति कुन्तल, दिल्लीः 200 प्रति कुन्तल।

गुजरात 20,000 मिनिमम इनकम गारंटी।एसोसिएशन ने सरकार से अनुरोध किया है कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए यूपी के कोटेदारों को भी अन्य राज्यों की भांति सम्मानजनक लाभांश और मिनिमम इनकम गारंटी दी जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे 28 जनवरी 2026 से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन और विधानसभा घेराव करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान होने वाली किसी भी अव्यवस्था की जिम्मेदारी पूर्ण रूप से शासन और प्रशासन की होगी। ऑल इण्डियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश इकाई सीतापुर के जिला अध्यक्ष रामलखन सिंह यादव जिला महासचिव विशाल रस्तोगी संगठन सचिव विजय पाल व प्रदेश संगठन से प्रदेश महासचिव अशोक कुमार सिंह , आलोक मिश्रा, राजेंद्र अजय वर्मा सुरेन्द्र यादव कमलेश मिश्रा, राघवेंद्र सिंह, वीरेंद्र, नंदलाल, नसीम, त्रिभुवन लाल, केवाराम, विवेक सिंह, अमित दिलीप गुप्ता, जनपद सीतापुर के समस्त पदाधिकारी व राशन डीलर बन्धु मौजूद रहे।

83 प्रतिशत SIR कार्य पूरा डीएम ने 169 कर्मियों पर की कार्रवाई, 50 BLO हुए सम्मानित

सीतापुर जनपद सीतापुर जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान की रफ्तार लगातार तेज होती जा रही है। बूथ लेवल अधिकारी (BLO) घर-घर जाकर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं, वहीं कई लोग स्वयं बूथों पर पहुंचकर अपने फॉर्म जमा कर रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, अब तक कुल मतदाताओं में से 83 फीसदी लोगों ने अपने गणना प्रपत्र भरकर जमा कर दिए हैं, जो अभियान की बड़ी सफलता मानी जा रही है। जिले के भीतर चल रहे इस व्यापक अभियान में कुल 3644 बूथों पर कार्य किया जा रहा है। इनमें से 522 बूथ लेवल अधिकारियों ने शत-प्रतिशत गणना प्रपत्र भरवा लिए हैं, जिससे प्रशासनिक स्तर पर संतोष व्यक्त किया जा रहा है उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 50 BLO को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है ताकि उनके मनोबल में वृद्धि हो और अन्य अधिकारी भी प्रोत्साहित हों वहीं, अभियान में लापरवाही बरतने वाले 169 कर्मियों के खिलाफ डीएम द्वारा कार्रवाई भी की गई है इसी क्रम में शहर के एक खंड शिक्षा अधिकारी कुलदीप कुमार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की कार्रवाई की है। प्रशासन का कहना है कि मतदाता सूची में पारदर्शिता व शुद्धता सरकार की प्राथमिकता में शामिल है, ऐसे में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उधर, राजनीतिक दल भी SIR अभियान में सक्रिय दिख रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को पुनरीक्षण अभियान के प्रति जागरूक कर रहे हैं तो वहीं समाजवादी पार्टी ने बूथ स्तर पर अपने PDA प्रहरियों को तैनात किया है जो मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। डीएम डॉ. राजगणपति आर ने बताया कि जिले में कुल 38 लाख मतदाता पंजीकृत हैं। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत अभियान को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। उनका कहना है कि 'अब तक 83 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और अगले दो दिनों में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा अच्छे कार्य करने वाले BLO को सम्मानित किया जा रहा है, जबकि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है!!

गरीब कन्या का विवाह कर सोनी किन्नर ने पेश की मानवता की मिसाल

बिसवां, सीतापुर। राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वॉलंटियर भाजपा किन्नर प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष सोनी किन्नर ने झज्जर मोहल्ला की गरीब कन्या रेशमा पुत्री राम शंकर भार्गव का विवाह अपने खर्च पर सम्पन्न कर समाजसेवा की अद्भुत मिसाल पेश की। उन्होंने विवाह का संपूर्ण खर्च उठाने के साथ स्वयं कन्यादान भी किया। सोनी जी ने कहा कि सेवा, करुणा और सहानुभूति ही सनातन धर्म का मूल संदेश है, और बेटी का विवाह पूरे समाज की जिम्मेदारी है। स्थानीय लोगों व संगठन पदाधिकारियों ने उनकी इस पहल की प्रशंसा की और नवविवाहित दंपती को शुभकामनाएं दीं।

महराजगंज कस्बे में न्यू दृष्टि ऑप्टिकल्स प्रतिष्ठान का हुआ भव्य उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली)। कस्बे में न्यू दृष्टि ऑप्टिकल्स प्रतिष्ठान का भव्य उद्घाटन समारोह शुक्रवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभात साहू ने फीता काटकर प्रतिष्ठान का शुभारंभ किया। तथा उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कस्बे में ऐसे प्रतिष्ठान के खुलने से आम जनमानस को आंखों में होने वाली परेशानियों से छुटकारा मिलेगा तथा जिसका इलाज महराजगंज में ही संभव है और लोगों को बाहर न जाकर अपने कस्बे व क्षेत्र के महराजगंज में खुले न्यू दृष्टि में जाकर अनेक प्रकार की आंखों की जांच करा कर लाभ उठाएं प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर अमित यादव ने आगंतुकों का स्वागत किया। उद्घाटन से पूर्व विद्वान पंडित शिवकांत शुक्ला 'सोथी वाले' ने पूरे वैदिक विधि-विधान के साथ हवन-पूजन अनुष्ठान संपन्न कराया, जिसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा औपचारिक उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में मौजूद शिव शरण साहू, आनंदपाल, सूर्यभान सिंह, नंदलाल, ननकऊ सिंह, चंद्रभान सिंह, रामकेवल यादव, विजय शंकर अवस्थी, रामसनेही यादव, रोहित अवस्थी, स्नेहकांत यादव, राम शंकर यादव, संजय यादव, रामप्रताप यादव, सुंदरलाल यादव, मनीष यादव, शुभम मौर्य और रूपेश यादव आनंदपाल सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह के दौरान स्थानीय नागरिकों ने प्रतिष्ठान के उद्घाटन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शुभकामनाएँ दीं।

महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेन्ड्री कॉलेज में आयोजित हुई उत्कृष्ट विज्ञान प्रदर्शनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज रायबरेली। कस्बे के हैदरगढ़ रोड पर स्थित महावीर स्टडी इस्टेट सीनियर सेकेन्ड्री कालेज महराजगंज में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सीनियर विंग में बच्चो ने मीटर ब्रिज, डिपरेवशन आफलाइट, ग्लोबल वार्मिंग, एनर्जी रिसोर्सेज, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, वैक्यूम वलीनर, रोबोट तथा जूनियर विंग में स्वच्छ भारत अभियान, ब्यूटी आफनेचर, दहेज प्रथा, बाल विवाह, गौ रक्षा, सोलर एम्बुलेंस, जीएसटी, लाइट लैंप, शेयर मार्केट ट्रेडिंग, हाउस, वाटर डिस्पर्सल तथा प्राइमरी विंग में स्कूल, हास्पिटल, विलेज लाइफ लैम्प, फैन, वाइल्ड एनीमल, पर्यावरण, बच्चों ने प्रारम्भिक युग की ट्रेन एवं विकास स्टीमर बनाकर आधुनिक भारत के बढ़ते हुए स्वप्न की झलक दिखाई। प्रदर्शिनी के लिए आब्जर्वर डा0 महादेव सिंह भूगोल बैसवारा डिग्री कालेज लालगंज रायबरेली तथा डा0 ओम प्रकाश सिंह पूर्व प्रवक्ता हिंदी बैसवारा डिग्री कालेज लालगंज रायबरेली ने बच्चों के बनाये माडल देखे तथा इनके प्रयास की भूरि-भूरि सराहना की। बच्चों की अपने विषय पर गहरी पकड़ थी सभी ने बच्चों के द्वारा अंग्रेजी में प्रेजेंटेशन की तुलना अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के स्कूलों से करते हुए इसे अद्वितीय माना।

मैनेजर अवधेश बहादुर सिंह जी ने प्रत्येक बच्चे के माडल को देखा उनके द्वारा बोले गये विषय को बड़ी गहनता से सुना तथा हार्दिक प्रसन्नता व्यवत की और कहा कि बच्चों के द्वारा उच्च स्तरीय विज्ञान प्रदर्शिनी लगाकर इतिहास रचा गया। प्रधानाचार्य कमल वाजपेई ने बच्चों के मन के उद्धार प्रदर्शिनी के रूप में देखकर सभी की प्रशंसा की तथा विज्ञान प्रदर्शिनी द्वारा बच्चों की क्रियात्मकता निखरता है एवं विज्ञान के प्रति उनका लगाव होता है। बच्चे विज्ञान के कठिन प्रश्न खेल-खेल में समझ जाते हैं जिससे उनका चतुर्दिक विकास होता हे। बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु विज्ञान प्रदर्शिनी जैसे क्रियात्मक कार्य अत्यंत आवश्यक है। जिन्हे प्रतिवर्ष वित्तालय कराता है। सभी अध्यापकों, अभिभावकों, स्टाफ एवं बच्चों को विज्ञान प्रदर्शिनी के सफल आयोजन हेतु बधाइयां दी।

इस अवसर पर राजीव मिश्रा, सरिता मिश्रा, नीरू बाजपेयी, मंजू सिंह, अनुपम, लक्ष्मी, ज्योति सिंह, शालिनी सिंह, गर्विता सिंह, साधना, ज्योति सिंह, आलोक, छाया सिंह, राजकिशोर, आलोक, अमित सिंह, सुरेन्द्र, सौम्या शुक्ला, अभिजीत अवस्थी, लवलेश सिंह, अवनीशण पिंकी, गरिमा, अपर्णा, अमरेन्द्र आदि का विशेष योगदान रहा।

तेज रफ्तार डीसीएम ने मारी बाइक सवार को टक्कर गंभीर रूप से घायल इलाज के लिए भेजा गया ट्रामा सेंटर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शुक्रवार सुबह मलिहाबाद थाना क्षेत्र में लखनऊ हरदोई राजमार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने इसकी सूचना एम्बुलेंस व पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायल को स्थानीय सीएचसी भेजा। मिली जानकारी के अनुसार मलिहाबाद थाना क्षेत्र की कसमंडी कला पुलिस चौकी अंतर्गत किठाई पारा गांव निवासी सुखलाल पुत्र हरदेव शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे अपनी स्प्लेंडर बाइक यूपी 32 जीडब्लू 7756 से किसी काम से मलिहाबाद जा रहे थे। सुखलाल महमूद नगर ढाल पर जैसे ही मलिहाबाद की ओर मुड़े ही थे तभी पीछे से आ रही तेज गति से डीसीएम ने टक्कर मार दी।

जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर मारने के बाद डीसीएम चालक मौके का फायदा उठाते हुए फरार हो गया।आसपास के ग्रामीणों व राहगीरों ने आनन फानन एम्बुलेंस व पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल एम्बुलेंस से मलिहाबाद सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टरों ने हालात गंभीर देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर रेफर करने की सलाह दी। लेकिन परिजनों ने घायल सुखलाल को एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है।

नवागत अधिशासी अभियंता संदीप कुमार सरोज ने ग्रहण किया कार्यभार

भदोही: लोक निर्माण विभाग के नवागत अधिशासी अभियंता संदीप कुमार सरोज ने भदोही में शुक्रवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी कार्यों को तेजी और पारदर्शिता के साथ संपन्न किया जाएगा। संदीप कुमार सरोज ने विशेष रूप से सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर जोर दिया और कहा कि मानक की अनदेखी करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर सटीक दिशा-निर्देश जारी किए और कहा कि सड़क निर्माण कार्य समय के साथ मानक के अनुरूप पूरा होना चाहिए। अधिशासी अभियंता ने भरोसा जताया कि भदोही जिले में सड़क निर्माण और अन्य विकास कार्यों में सुधार लाने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता से काम करेगा, जिससे नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ और सुगम परिवहन व्यवस्था मिल सके।

एपीजे अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर 5 दिसंबर बक्शी का तालाब इंटर कॉलेज में एपीजे अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी द्वारा मोबाइल वैन- तकनीकी जागरूकता अभियान के द्वारा 3डी तकनीक (थ्री-डायमेंशनल टेक्निक) का सफल प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने 3डी टेक्नोलॉजी के वास्तविक उपयोग, उसके आधुनिक स्वरूप और भविष्य में मिलने वाली संभावनाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधानाचार्य अशोक बाजपेयी बक्शी, हरीश चंद्र सिंह (शिक्षक) तथा डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह (एसोसिएट प्रोफेसर, चंद्रभानु गुप्त कृषि स्नातकोत्तर महाविद्याल द्वारा स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को साझा करने पर विधवा चर्चा हुई अतिथियों ने छात्रों को नई तकनीकों से जुड़ने और तकनीकी नवाचारों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। 3डी तकनीक ऐसी विधि है जिसमें किसी वस्तु या दृश्य को लंबाई, चौड़ाई और ऊँचाई - तीनों आयामों में दर्शाया जाता है। इससे वस्तुएँ अधिक वास्तविक, गहराईयुक्त और स्पष्ट दिखाई देती हैं। यह तकनीक 3डी मॉडलिंग, 3डी स्कैनिंग, 3डी प्रिंटिंग और 3डी विजुअलाइज़ेशन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग की जा रही है। 3 डी तकनीक से शिक्षा क्षेत्र के जटिल विषयों को 3डी मॉडल के माध्यम से सरल बनाना, वर्चुअल प्रयोगशालाएँ, डिजिटल लर्निंग को अधिक प्रभावी बनाना तथा चिकित्सा सर्जरी की तैयारी हेतु 3डी इमेज, कृत्रिम अंगो का निर्माण, मेडिकल प्रशिक्षण में उपयोग तथा इंजीनियरिंग एवं मैन्युफैक्चरिंग, मशीनों के 3डी डिज़ाइन और प्रोटोटाइप, उत्पाद विकास और सिमुलेशन, इंडस्ट्रियल मॉडलिंग और टेस्टिंग वास्तुकला एवं निर्माण भवनों के 3डी प्लान, वर्चुअल टूर और डिज़ाइन विजुअलाइज़ेशन, सुरक्षित और टिकाऊ संरचनाओं का विश्लेषण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने 3डी तकनीक से तैयार मॉडल, इंटरैक्टिव डिस्प्ले और प्रिंटेड प्रोटोटाइपों को करीब से देखा। एपीजे अब्दुल कलाम यूनिवर्सिटी लखनऊ में मोबाइल वैन की टीम ने बताया कि आने वाले वर्षों में 3डी तकनीक शिक्षा, रोजगार और नवाचार के नए द्वार खोलेगी। विद्यार्थियों ने इस प्रकार के तकनीकी आयोजनों की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में डिजिटल जागरूकता और तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ रवि शंकर वर्मा वा डॉ विवेक कुमार वर्मा सहित 200 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से प्राइवेट विद्युत कर्मी की मौत, परिवार में मातम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- राठ तहसील क्षेत्र में शुक्रवार को हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक 25 वर्षीय प्राइवेट विद्युत कर्मी की मौत हो गई। यह हादसा उमन्निया चिरवा गांव के पास उस समय हुआ, जब युवक विद्युत लाइन ठीक करने का काम कर रहा था। मृतक की पहचान राठ कोतवाली क्षेत्र के गलिहया गांव निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू (25) पुत्र परमेश्वरी दयाल के रूप में हुई है। जितेंद्र प्राइवेट तौर पर विद्युत कार्य करता था और गांव के ही एक व्यक्ति के साथ चिरवा गांव के पास खराब विद्युत लाइन को ठीक करने गया था। काम के दौरान अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से वह बुरी तरह झुलस गया।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को तुरंत राठ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति गंभीर होने पर उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, जितेंद्र खेती-किसानी और मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी रामसखी, मां सावित्री, तीन वर्षीय पुत्र कार्तिक और दो वर्षीय पुत्री कीर्ति हैं। पिता ने बताया कि गांव का ही रामपाल नामक व्यक्ति उसे काम के लिए लेकर गया था। पुलिस उपाधीक्षक राजीव प्रताप सिंह ने बताया कि मझगवां थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम कराया है। तहरीर मिलने पर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

जनमानस को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रम आयोजित

शहडोल। जनमानस को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से शहडोल जिले में पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विविध कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यातायात थाना शहडोल द्वारा महिला थाना शहडोल सहित शहर के अन्य प्रमुख स्थलों पर जनमानस को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के उददेश्य से युवाओ ने दीवारो पर आकर्षक पेंटिग बनाई। पेंटिग के माध्यम से हेलमेट उपयोग, सीट बेल्ट, गति नियंत्रण, मोबाइल फोन का वाहन चलाते समय उपयोग न करने तथा अन्य यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया है। इस अवसर पर यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल, सूबेदार प्रिंयका शर्मा ने किये गए पेंटिग का अवलोकन कर सराहना की।

खेत के कुएं में गिरने से किसान की मौत, परिजन सदमे में

हमीरपुर :- सरीला तहसील के इटैलिया बाजा गांव में शुक्रवार को एक 55 वर्षीय किसान की खेत पर बने कुएं में गिरकर मौत हो गई। घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई, हालांकि परिजनों ने आशंका जताई है कि उनका पैर फिसलने से वे कुएं में गिर गए होंगे। मृतक किसान की पहचान रविंद्र पुत्र नारायण दास के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, रविंद्र खेत में सिंचाई का कार्य कर रहे थे, इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वे कुएं में गिर गए। उनके पास करीब 27 बीघा जमीन थी और वे खेती के साथ पशुपालन करके परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। रविंद्र अपने पीछे पत्नी नीलम, दो पुत्र मनीष और अंशुल, तथा पुत्री दीपशिखा समेत अन्य परिजनों को छोड़ गए हैं। जरिया थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि पंचनामा भरकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शाहगंज महोत्सव में हंगामा, कल्लू के कार्यक्रम में अव्यवस्था—विधायक पर उठे सवाल

जौनपुर। शाहगंज महोत्सव में भोजपुरी गायक अरविंद अकेला 'कल्लू' के कार्यक्रम के दौरान सोमवार रात भारी हंगामा हो गया। 'तोहरे चलते गोली' गीत पर दर्शकों के बीच अचानक धक्का-मुक्की और झड़प शुरू हो गई, जिसके बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को मौके पर पहुंचकर भीड़ को नियंत्रित करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार्यक्रम में भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था नाकाफी थी। आयोजकों ने दर्शकों की संख्या को देखते हुए उचित तैयारी नहीं की, जिसके चलते छोटी-सी कहासुनी ने बड़ा रूप ले लिया। स्थानीय लोगों ने इस अव्यवस्था को लेकर विधायक रमेश सिंह पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि महोत्सव का नेतृत्व स्वयं विधायक कर रहे थे, ऐसे में सुरक्षा चूक और व्यवस्थागत खामियों की जिम्मेदारी उन्हीं पर आती है। हंगामे के बाद विधायक ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील अवश्य की, लेकिन दर्शकों का आरोप है कि अपील तब की गई जब स्थिति पहले ही बेकाबू हो चुकी थी। कल्लू के शो में हुए इस बवाल ने महोत्सव की तैयारियों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन की कमियों को लेकर विधायक और आयोजकों की भूमिका अब चर्चा के केंद्र में है। फिलहाल पुलिस ने स्थिति को शांत करा दिया है, लेकिन मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी बनी हुई है।

तेज रफ्तार ट्रक ने एएसपी के भतीजे को कुचला, सुमेरपुर में भीषण सड़क हादसा-बारात में शामिल होने आया था युवक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुरः- सुमेरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे जनपद को झकझोर दिया। मौरंग से भरा एक तेज रफ्तार ट्रक बारात में शामिल होने आए 21 वर्षीय युवक को रौंदकर फरार हो गया। टक्कर इतनी भयावह थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद परिवार में मातम और इलाके में सनसनी फैल गई।

महोबा जनपद के सिजहरी गांव निवासी सुयज्ञ त्रिपाठी, जो कि महोबा के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. विचित्र मोहन त्रिपाठी के इकलौते पुत्र थे, गुरुवार शाम सुमेरपुर स्थित हरिओम गेस्ट हाउस में आई एक बारात में शामिल होने पहुंचे थे। शादी समारोह संपन्न होने के बाद देर रात वह गेस्ट हाउस से बाहर निकले और जैसे ही कानपुर-सागर नेशनल हाईवे पर पहुंचे, पत्यौरा की ओर से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। तेज रफ्तार और अंधेरे के कारण युवक ट्रक की चपेट से बच नहीं सका।

टक्कर के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक मौरंग से पूरी तरह लदा हुआ था और तेज रफ्तार में बिना हॉर्न दिए हाईवे पर दौड़ रहा था। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सुमेरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। मृतक सुयज्ञ त्रिपाठी के चाचा पवित्र मोहन त्रिपाठी एएसपी पद पर तैनात हैं। हादसे की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गेस्ट हाउस और अस्पताल परिसर में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने बताया कि फरार ट्रक और उसके चालक की तलाश की जा रही है। हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि चालक की पहचान होने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे ने एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से चलने वाले ट्रकों की खतरनाक हकीकत को सामने ला दिया है।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना दुर्गागंज के मिशन शक्ति केंद्र का किया गया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान संबंधित रजिस्टरों को चेक करते हुए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश।

भदोही आज दिनांक 05.12.2025 को अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना दुर्गागंज के मिशन शक्ति केंद्रका निरीक्षण कर संबंधित रजिस्टरों को चेक किया गया। जिसमें महिला हेल्प डेस्क, महिला बीट अधिकारियों, महिला हेल्पलाइन नंबर (1090, 181, 112) की कार्यप्रणाली तथा आने वाली महिला शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने संबंधित अधिकारियों/ कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन से जुड़ी योजनाओं को और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा प्रत्येक महिला फरियादी की शिकायत को संवेदनशीलता से लिया जाय और पीड़ित महिलाओं का 360 डिग्री काउंसिलिंग किया जाए एवं प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को निस्तारित किया जाए।

बिहूनी खुर्द में पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य शिविर हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- पशुपालकों को उनके द्वार पर ही चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, मुस्करा विकासखंड के बिहूनी खुर्द गांव में पशुपालन विभाग द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक दिवसीय विकासखण्ड स्तर आरोग्य मेला/शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में भारी संख्या में ग्रामीणों ने अपने पशुओं के स्वास्थ्य की जांच कराई और उपचार का लाभ लिया। शिविर का शुभारंभ मुस्करा के ब्लॉक प्रमुख वीरनारायण राजपूत ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इसके उपरांत, गो-पूजन की परंपरा निभाते हुए उन्होंने एक गाय को माला पहनाई और गुड़-चना खिलाकर शिविर का विधिवत शुभ आरम्भ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ कुबेर राजपूत,धर्मपाल सिंह राजपूत (नेता जी) और ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्री भूपेंद्र सिंह राजपूत, पत्रकार अनिल खटीक भी उपस्थित रहे।

शिविर का आयोजन पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. धर्मपाल सिंह राजपूत के नेतृत्व में उनकी पूरी टीम के सहयोग से किया गया। डॉ. धर्मपाल सिंह राजपूत ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को पशुओं को स्वस्थ रखने के आवश्यक उपायों और उनकी सामान्य बीमारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पशुपालकों को साफ-सफाई और सही पोषण के महत्व पर जोर दिया।

बीमार पशुओं का हुआ इलाज

शिविर में लाए गए बीमार पशुओं का पशु चिकित्सा टीम द्वारा तत्काल इलाज किया गया और आवश्यक दवाएं वितरित की गई। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने के लिए बिहूनी खुर्द और आस-पास के क्षेत्रों से भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे यह आरोग्य मेला स्थानीय पशुपालकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हुआ, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार और पशुपालन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शिवनी गांव में गंगादास बाबा मेला महोत्सव का भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मुस्करा विकासखंड स्थित शिवनी गांव में गंगादास बाबा मेला महोत्सव का भव्य और पारंपरिक आयोजन किया गया है। यह महोत्सव गांव की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जिसमें स्थानीय लोगों के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों से भी भारी भीड़ उमड़ रही है। प्रधान प्रतिनिधि देवबचन सिंह यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव की शुरुआत में चार दिसम्बर को विशाल दंगल का आयोजन किया गया। इस दंगल में दूर-दराज से आए पहलवानों ने अपनी शक्ति और कौशल का प्रदर्शन किया, जिसका दर्शकों ने भरपूर लुत्फ उठाया।

दंगल के बाद, स्थानीय कलाकारों द्वारा दिवारी लोकनृत्य का आयोजन किया गया। यह बुंदेली लोकनृत्य पारंपरिक वेशभूषा और उत्साह से भरपूर था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। देवबचन सिंह यादव ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत रात्रि में रामलीला का मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी।

06 दिसम्बर दिन में धार्मिक बुंदेली राई लोकनृत्य का आयोजन किया जाएगा। 06 दिसम्बर रात्रि में धर्म की अधर्म पर जीत का प्रतीक रावण वध का भव्य आयोजन होगा। इन आयोजनों के बाद, गांव में एक भव्य मेला भरेगा, जिसके लिए समस्त ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। इस भव्य आयोजन के उद्घाटनकर्ता के रूप में मुन्नालाल तिवारी, अजय पाल ऊर्फ मुन्ना भइया, जगतराज बाबू जी मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त, बाबू सिंह राजपूत (पूर्व प्रधान, शिवनी), डोंगर सिंह राजपूत, वैध जी, मैयादीन यादव देवबचन सिंह यादव प्रधान प्रतिनिधि शिवनी सहित तमाम सम्भ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे, जिन्होंने महोत्सव को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समस्त ग्रामीणों की भारी भीड़ ने इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक महोत्सव को एक नई ऊँचाई प्रदान की है, जो गांव की एकता और भाईचारे का संदेश दे रहा है।

बाइक की डिग्गी से 50 हजार रुपये चोरी, टप्पेबाज फरार

हमीरपुर :- राठ कस्बे में गुरुवार दोपहर एक बाइक सवार व्यक्ति की डिग्गी से 50 हजार रुपये चोरी हो गए। घटना रामलीला मैदान के पास उस समय हुई, जब पीड़ित सड़क किनारे अमरूद खरीद रहा था। जानकारी के अनुसार, सरीला तहसील के जरिया थाना क्षेत्र के करियारी गांव निवासी पुष्पेंद्र कुमार भारतीय स्टेट बैंक की राठ शाखा से 50 हजार रुपये निकालकर अपनी बाइक की डिग्गी में रखकर निकले थे। इसके बाद वह रामलीला मैदान के पास अमरूद खरीदने के लिए रुके। तभी मौके का फायदा उठाकर एक अज्ञात टप्पेबाज उनकी बाइक की डिग्गी से रुपये निकालकर फरार हो गया। कुछ देर बाद जब पुष्पेंद्र कुमार ने डिग्गी खोली तो रुपये गायब मिले। उन्होंने तुरंत राठ कोतवाली पहुंचकर चोरी की सूचना दी और लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में राठ कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

सवारियों की जेब ढीली कर रहे ऑटो चालक

● ज्यादातर ऑटो दौड़ रहे, बगैर रुट परमिट और बिना ड्राइविंग लाइसेंस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

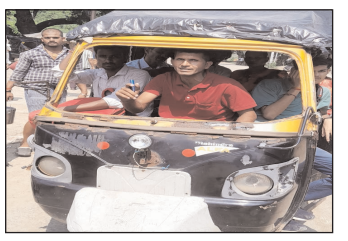

हमीरपुर- जनपद के बिवांर से मौदहा तक की 19 किलोमीटर दूरी मुसाफिरों के लिए आज भी सिरदर्द बनी हुई है। वर्षों से ऑटो रुट घोषित इस मार्ग पर दो दर्जन से ज्यादा ऑटो और इक्का-दुक्का प्राइवेट बसें चलती रही हैं।हालांकि कुछ दिनों से दो- तीन रोडवेज बसें भी चलने लगीं हैं, लेकिन ये ऑटो चालक सवारियों से बसों की अपेक्षा ज्यादा किराया वसूलते हैं।बता दें कि रोडवेज बस का बिवांर से मौदहा तक का किराया 30 रुपये लगता है, लेकिन ऑटो वाले जबरन 40 रुपया वसूलते हैं, आगर कोई सवारी एतराज करती है तो उससे गालीगलौज भी करते हैं।मौदहा से बिवांर आई एक महिला रानी देवी ने बताया कि उससे ऑटो चालक ने चालीस रुपये किराया लिया है, बताया कि जब उसने कहा कि रोडवेज में तीस रुपये लगता है, तो आंख दिखाते हुए बोला ,ऑटो में 40 ही लगते हैं।वहीं कस्बा के राजेश पाठक, गोपाल पाठक, अशोक द्विवेदी, एडवोकेट भूपत ने बताया ने बताया कि ये ऑटो चालक भूसे की तरह सवारियां भरते हैं और दूर से बस देखते ही फर्राटा भर देते हैं।कस्बा निवासी बउवा ने बताया कि ऑटो चालक ठीक उसी तरह एक दूसरे को लेकेशन देते हैं जैसे लोकेटर मौरंग ट्रकों को लोकेशन देते हैं और बसों से पहले ही सवारियां लेकर दौड़ जाते हैं।बताया कि लगभग 26 ऑटो चलते हैं, जिनमें से दस बगैर नंबर के चलते हैं, और 90 फीसदी के पास न तो रुट परमिट है और न ही ड्राइविंग लाइसेंस।

कस्बा से मौदहा तहसील रोजाना जाने वाले वकील रमेश विश्वकर्मा ने बताया कि कुछ महीनों पहले इसकी शिकायत सम्बन्धित उच्चाधिकारियों से की थी ,उसके बाद कुछ दिनों तक ऑटो चालकों ने किराया 30 रुपये कर दिया था और सवारियां भी लिमिट में भरने लगे थे ,लेकिन अब फिर से ज्यादा किराया लेने लगे हैं और सवारियां भी ठूंसकर-लटकाकर चलने लगे हैं। बताते चलें कि इस रूट पर मौदहा तहसील और बांदा जाने वाले बिवांर, निवादा, लोदीपुर, बांधुर बुजुर्ग, बांधुर खुर्द, छेणी, चंदौली, गलिहामऊ, उमरी, भरखरी, करगांव, भुगैचा, सायर, चिल्ली, महेरा, लोधामऊ, भटरा, खड़ेड़ी लोधन आदि लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों के लोग इन ऑटो चालकों से रोजाना ठगे जाते हैं।लोगों की मांग है कि ऑटो चालकों की इस मनमानी पर तत्काल अंकुश लगाया जाए।

रेलवे पुल पर पुशअप करते युवक का वीडियो वायरल

● जान हथेली में लेकर रील बनाने का चलन नहीं थम रहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- प्रतिबंधित स्थानों पर रील बनाने का जुनून युवाओं पर इस कदर हावी है कि तमाम चेतावनियाँ, जुर्माने और हादसों के बाद भी यह खतरनाक ट्रेंड थमने का नाम नहीं ले रहा। ताज़ा मामला मौदहा क्षेत्र से सामने आया है, जहाँ एक युवक रेलवे पुल के बीचों-बीच ट्रैक पर पुशअप लगाते हुए रील बनाता दिख रहा है। 38 सेकेंड के इस वीडियो में युवक करीब 15 पुशअप लगाता है, जबकि उसके पीछे एक अन्य युवक आराम से चहलकदमी करता दिखाई देता है। वीडियो में बैकग्राउंड में हरियाणवी रीमिक्स सॉन्ग बज रहा है, जो इस लापरवाही को और उजागर करता है कि युवा जोखिम को मनोरंजन बना चुके हैं। जानकारी के अनुसार, वीडियो में दिख रहा युवक मौदहा क्षेत्र का ही निवासी बताया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि वीडियो के वायरल होने के बावजूद अब तक न रेलवे विभाग ने कार्रवाई की है और न ही स्थानीय पुलिस ने कोई कदम उठाया है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी रेलवे पुल पर एक रेलवे कर्मचारी की रील वायरल हो चुकी है, जिससे विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। हमीरपुर जनपद में दो प्रमुख रेलवे पुल—यमुना-बेतवा संगम पुल और चंद्रावल नदी पुल—ऐसे स्थान हैं जहाँ अक्सर युवा-युवतियां अपने सोशल मीडिया फॉलोअर्स बढ़ाने की कोशिश में जान जोखिम में डालकर वीडियो बनाते रहते हैं। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह लापरवाही किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती है।

ट्रक चालक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- मौदहा कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार रात एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहाँ 25 वर्षीय युवक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर जान दे दी। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक की पहचान गोलू, निवासी नरायच गांव, के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, गोलू ने अपने घर के कमरे में पंखे से रस्सी बांधकर यह कदम उठाया। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर में ही मौजूद थे, लेकिन किसी को भी उसके इस निर्णय का अंदेशा नहीं था। जब परिजनों ने कमरे का दरवाजा न खुलता देखा, तो अंदर झांककर घटना की जानकारी मिली और चीख-पुकार मच गई।

गोलू पेशे से ट्रक चालक था और रोज़गार के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। वह दो भाइयों में सबसे छोटा था और अभी अविवाहित था।

अचानक हुए इस हादसे ने परिवार को मानसिक आघात में डाल दिया है। परिजन कारण समझ नहीं पा रहे कि आखिर गोलू ने ऐसा कदम क्यों उठाया। मौदहा कोतवाली प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस घटना के सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों से पूछताछ की जा रही है और मोबाइल तथा आसपास की परिस्थितियों की भी बारीकी से जांच की जाएगी। गोलू की मौत ने गांव में गहरा शोक फैला दिया है। ग्रामीणों ने भी पुलिस से जल्द जांच पूरी कर सत्य उजागर करने की मांग की है।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा बड़े बाजार में स्थित शिव मंदिर की भूमि पूजन और ईशान (पूजा) विधायक विजय और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में संपन्न हुई

● विधायक विजय मालाकार ने कहा कि मंदिर के निर्माण कार्य में यथासंभव सहायता और सहयोग प्रदान किया जाएगा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर विधानसभा के अंतर्गत दुल्लभछड़ा के बड़े बाजार में शिव मंदिर का भूमि पूजन और ईशान गत 4 दिसंबर (गुरुवार) को रामकृष्णनगर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक विजय मालाकार और स्थानीय लोगों के हाथों संपन्न हुआ। इस दिन उन्होंने असाम दर्शन के तहत 3 लाख रुपये व्यय मंदिर निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया और समारोह की एक चर्चा सभा में शामिल होकर योगदान दिया। चर्चा सभा में इसे संचालित किया मंदिर सचिव शिक्षक बाबू कानू। सभा में श्यामलबाबू मंदिर की स्थापना एवं इतिहास बताते हुए काफी हद तक भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि बड़े बाजार का इतिहास बहुत प्राचीन है। यहाँ स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी भी थे। इस क्षेत्र के प्राचीन बाजार बड़े बाजार में उस समय शिव पूजन का स्थान था लेकिन मंदिर नहीं था। सत्तर के दशक में यहाँ एक भव्य मंदिर निर्माण का विचार आया और चर्चा, बैठक आदि हुई, जिसके परिणामस्वरूप 1970 में शिव मंदिर का निर्माण हुआ। मुख्य उद्यमी स्वर्गीय रुक्मिणीहरण वनिक, अजितरंजन पाल, संतुलाल साहू, मधुराराम कानू, भगवानराम कैरी और कई अन्य थे। इनमें से अधिकांश आज जीवित नहीं हैं। मंदिर निर्माण के लिए जब उद्यमी थोड़े निराश थे और धन आदि संचालन से संबंधित मामलों में विचार कर रहे थे, तब भगवान राम कैरी ने कहा कि 'मैं मंदिर बना दूँगा, संचालन आप लोग करेंगे।' उद्यमी उनके शब्दों से उत्साहित हुए तो उन्होंने इस मंदिर का परिसर बना दिया। वे अब हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके शब्द बहुत मूल्यवान थे। दुल्लभछड़ा बड़ेबाजार में स्थित शताब्दीपुराना शिवमंदिर का वर्तमान भवन 1970 में बनाया गया था। उद्यमी और बाजार के निवासी तब कृष्ण पाल के आंगन में बैठकर एक बैठक करते हैं और निर्णय लेते हैं कि बाजार में रहने वाले प्रत्येक परिवार मासिक रूप से यथासंभव चंदा देंगे। उसी अनुसार चंदा संग्रह शुरू होता है, पहले महीने में 500 रुपये होते हैं, उस राशि को स्थिर कर दिया जाता है। उसी अनुसार, उक्त संग्रहित राशि धीरे-धीरे एक फंड में परिवर्तित हो जाती है, जो लगभग लाख रुपये तक पहुँचता है। मंदिर पूर्ण रूप से संचालन शुरू करता है और आज भी चलता है और चंदा आज भी नियमित रूप से संग्रहित किया जाता है।

सभा में विधायक विजय कहते हैं कि मंदिर भवन के नवीनीकरण में असाम दर्शन परियोजना के लिए अब केवल निर्माण कार्य शुरू करने के लिए 3 लाख रुपये दिए हैं। मेरी कोशिश रहेगी कि मंदिर के निर्माण कार्य में यथासंभव मदद और सहयोग किया जाए। बड़े बाजार की सड़क की स्थिति खराब थी, वह भी ठीक हो गई है और बाजार का स्तर बेहतर होगा। दो महीने के भीतर पुल का कार्य शुरू होगा। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद बाजार व्यवस्था सही ढंग से पहले की तरह चलेगी, ऐसी मेरी आशा है। इस बीच, बाजार के लोगों और समिति की ओर से भी भवन के निर्माण में यथासंभव सहायता देने की राय व्यक्त की गई। उल्लेखनीय है कि पुनर्निर्माण के लिए लगभग साठ लाख रुपये की आवश्यकता है। वर्तमान मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष शिवप्रसाद बनिक और सचिव बाबू कानू सभी के प्रति रुचि रखते हैं कि सभी के सहयोग से मंदिर का पुनर्निर्माण सही और सुंदर तरीके से पूरा हो। चर्चा सभा के अंत में विधायक विजय मालाकार और स्थानीय लोगों द्वारा इस मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए आधारशिला रखी गई। कार्यक्रम में दुल्लभछड़ा जिला परिषद सदस्य प्रणब मुखर्जी, दुल्लभछड़ा ग्राम पंचायत अध्यक्ष देव कुमार कुर्मी, भेटारबंद पंचायत के अध्यक्ष बिमल नाथ और अन्य प्रमुख। आज की सभा की अध्यक्षता कृष्ण रंजन पाल ने की। वरिष्ठ नागरिक श्यामल घोष, व्यापारी राजू कालवार, सेवानिवृत्त शिक्षक जयदेव पाल उपस्थित थे। नींव स्थापन कार्य को सफल बनाने में समूह सदस्य दिलीप तेली, जितेन्द्र तेली, बड़ा बाजार कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार साहू, ओमप्रकाश कैरी, गोपाल बर्मा, मनोज जॉइसवाल, अजीत कालवार, उत्तम कालवार, गोविंद कैरी, उत्तम मालाकार, बाबुलाल कैरी और अन्य बाजारवासी पूरी तरह से सहयोग किया। बड़े बाजार के प्रतिष्ठित व्यापारी और समाजसेवी प्रताप कैरी ने संकल्प लिया और शिक्षक ब्रजेश कुमार पांडे सहित अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने पौधरोपण किया। समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथियों का स्वागत करने के साथ-साथ उन्हें सम्मानित भी किया गया।

बीजेपी नेता प्रीतम सिंह 48 दिन से लापता, हाईकोर्ट ने पुलिस पर उठाए सवाल- 8 दिसंबर को एसपी तलब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर। बीजेपी नेता प्रीतम सिंह किसान पिछले 48 दिनों से रहस्यमय तरीके से लापता हैं। परिवार और पुलिस दोनों अब तक उनका कोई सुराग नहीं ढूंढ पाए हैं। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने ही उन्हें गायब किया, जिसके बाद मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचा। अदालत ने पुलिस की जांच पर गंभीर आपत्तियां जताते हुए टिप्पणी की— 'ऐसा लगता है कि पुलिस ने प्रीतम सिंह का मर्डर कर दिया।' कोर्ट ने 8 दिसंबर को हमीरपुर की एसपी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। धनतेरस की रात प्रीतम सिंह का पेट्रोल पंप पर विवाद हुआ था। इसके बाद पुलिस उन्हें थाने ले गई, जहां वह पूरी रात रहे। सुबह दोनों पक्षों में समझौता हुआ। पुलिस का दावा है कि उसने उन्हें परिवार के सुपुर्द कर दिया, लेकिन परिजन कहते हैं कि प्रीतम घर पहुंचे ही नहीं। इसी विरोधाभास ने पूरे मामले को उलझा दिया। थाने में रातभर बैठाए जाने के बाद यह मामला राजनीतिक ताप पकड़ने लगा। समर्थक सोशल मीडिया पर प्रीतम के समर्थन में पोस्ट करने लगे और अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग बढ़ने लगी। इस बीच, प्रीतम सिंह लापता हो गए। उनका कोई बयान या संपर्क सामने नहीं आया, जिससे रहस्य और गहरा हो गया।

इसी दौरान पुलिस ने विवाद के एक महीने बाद प्रीतम, उनके बेटे और दो अन्य पर एससी-एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। हैरानी की बात यह है कि केस दर्ज कराने वाले नरेश अहिरवार ने खुद दावा किया कि पुलिस ने दबाव डालकर उससे खाली कागज पर साइन कराए और एनकाउंटर की धमकी भी दी। नरेश ने अब पुलिस के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की है। जांच कर रहे अधिकारियों के अनुसार, 26 अक्टूबर तक प्रीतम अपने परिचितों से फोन पर बात कर रहे थे और 31 अक्टूबर तक मोबाइल ऑन था। आखिरी लोकेशन उनके घर की मिली, लेकिन वह वहां नहीं मिले। उसके बाद फोन बंद हो गया। पुलिस कहती है कि वे दूसरे राज्यों तक तलाश कर रहे हैं, पर कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रीतम के भाई वीर सिंह का आरोप है— 'मेरा भाई पुलिस के पास ही है।' परिवार मानसिक तनाव से गुजर रहा है और बच्चों को संभालना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कोर्ट से पुलिस अधिकारियों के पर्सनल नंबरों की CDR निकलवाने की मांग की है। हाईकोर्ट में 13, 14, 15 और 27 नवंबर को हुई सुनवाई में अदालत ने पुलिस को कई बार फटकारा है। अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी, जिसमें एसपी को अपनी रिपोर्ट लेकर उपस्थित होना होगा।

प्रीतम सिंह की गुमशुदगी अब राजनीतिक, कानूनी और पुलिसिया जांच— तीनों क्षेत्रों में बड़ा सवाल बन गई है। महीने बाद प्रीतम, उनके बेटे और दो अन्य पर एससी-एसटी एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दिया। हैरानी की बात यह है कि केस दर्ज कराने वाले नरेश अहिरवार ने खुद दावा किया कि पुलिस ने दबाव डालकर उससे खाली कागज पर साइन कराए और एनकाउंटर की धमकी भी दी। नरेश ने अब पुलिस के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की है।

जांच कर रहे अधिकारियों के अनुसार, 26 अक्टूबर तक प्रीतम अपने परिचितों से फोन पर बात कर रहे थे और 31 अक्टूबर तक मोबाइल ऑन था। आखिरी लोकेशन उनके घर की मिली, लेकिन वह वहां नहीं मिले। उसके बाद फोन बंद हो गया। पुलिस कहती है कि वे दूसरे राज्यों तक तलाश कर रहे हैं, पर कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रीतम के भाई वीर सिंह का आरोप है— 'मेरा भाई पुलिस के पास ही है।' परिवार मानसिक तनाव से गुजर रहा है और बच्चों को संभालना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कोर्ट से पुलिस अधिकारियों के पर्सनल नंबरों की CDR निकलवाने की मांग की है। हाईकोर्ट में 13, 14, 15 और 27 नवंबर को हुई सुनवाई में अदालत ने पुलिस को कई बार फटकारा है। अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी, जिसमें एसपी को अपनी रिपोर्ट लेकर उपस्थित होना होगा। प्रीतम सिंह की गुमशुदगी अब राजनीतिक, कानूनी और पुलिसिया जांच- तीनों क्षेत्रों में बड़ा सवाल बन गई है।